उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-9 अंक-24)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 15 जुलाई, 2024

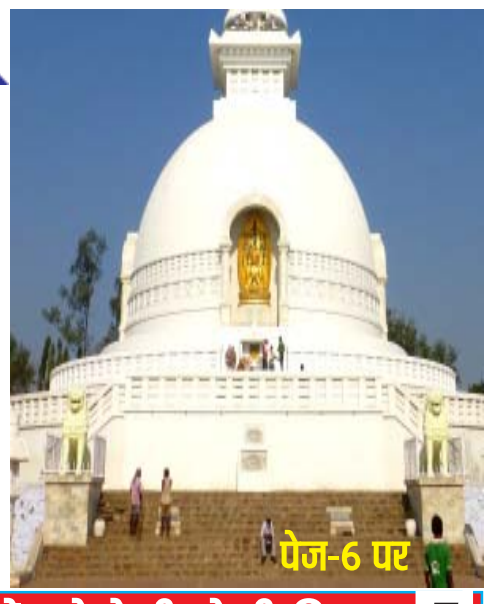

अब पहली जैसी पत्रकारिता करने वाले पत्रकार नहीं दिखते 8

शादी में कितने उपहार,परिजनों को देनी होगी लिस्ट 5

ट्रंप पर हमले के बाद मोदी ने की निंदा

दोस्त डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी चिंता में डाल दिया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पर चिंता जाहिर करते हुए लिखा कि मेरे मित्र, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले से बेहद चिंतित हूं। घटना की कड़ी निंदा करता हूं. राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं मृतकों के परिवार, घायलों और अमेरिकी लोगों के साथ हैं।

ऐसे कृत्यों की कड़ी से कड़ी निंदा की जानी चाहिए : राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश किये जाने पर रविवार को गहरी चिंता जतायी और कहा कि ऐसे कृत्यों की कड़ी से कड़ी निंदा की जानी चाहिए। पेनसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान हुए हमले में कान के ऊपरी हिस्से में गोली लगने से ट्रंप (78) घायल हो गए। सीक्रेट सर्विस के एक सदस्य ने हमलावर को मार गिराया।

डोनाल्ड ट्रम्प ट्रंप के मंच संभालने के कुछ मिनटों बाद ही

गोलियों से गूंज उठा मैदान, बाल बाल बचे

बटलर अमेरिका। 'गॉड ब्लेस द यूएसए' के नारों के बीच शनिवार शाम छह बजकर दो मिनट पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेनसिल्वेनिया के बटलर में एक मैदान में भीड़ का अभिवादन करते हुए मंच संभाला और कड़ी धूप के बीच अपना भाषण शुरू ही किया था कि कुछ मिनटों बाद गोलियां चलने की आवाज सुनायी देने लगी ।ट्रंप रैली में अवैध सीमा पार के मामलों में वृद्धि के बारे में राष्ट्रपति जो बाइडन के खिलाफ बोल रहे थे तभी कम से कम पांच गोलियां चलने की आवाज सुनायी दी। जैसे ही सीक्रेट सर्विस के एजेंट उनकी ओर बढ़े तो ट्रंप ने अपना कान पकड़ लिया ।एजेंटों के चिल्लाने पर वह जमीन पर बैठ गए। कुछ मिनटों बाद ट्रंप खड़े हुए, सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने उन्हें घेर लिया था। उन्होंने ट्रंप के कान से खून बहने पर उन्हें मंच से बायीं ओर ले जाने की कोशिश की। ट्रंप ने कहा, ''रुको, रुको, रुको ।इसके बाद उन्होंने भीड़ की ओर मुट्ठी बांध कर हाथ में हवा में लहराया और ''फाइट (लड़ो) शब्द बोलते सुनायी दिए। इसके बाद एजेंट उन्हें सीढ़ियों से नीचे काले रंग की एक एसयूवी में ले गए। ट्रंप ने कार में बैठने से पहले भी मुट्ठी बांध कर हाथ हवा में लहराया ।स्थानीय डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी ने कहा कि हमलावर और रैली में आए एक व्यक्ति की मौत हो गयी है। हमले के तुरंत बाद जारी एक बयान में अधिकारियों ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से हत्या का प्रयास था।

ट्रंप के प्रचार अभियान दल ने बताया कि वह ''ठीक हैं ।बटलर पश्चिमी पेनसिल्वेनिया के पिट्टसबर्ग में 33 मील उत्तर में स्थित 13,000 लोगों की आबादी वाला शहर है। ट्रंप को 2016 में राष्ट्रपति बनाने में इस क्षेत्र की अहम भूमिका थी और ट्रंप ने बटलर काउंटी में 32 प्रतिशत अंकों से जीत हासिल की थी ।रिपब्लिकन पार्टी की ओर से बीवर काउंटी के उपाध्यक्ष रिको एल्मोर रैली में विशेष अतिथियों के लिए बनायी एक जगह पर बैठे थे तभी उन्हें पटाखे फूटने जैसी आवाज सुनाई दी। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, ''नहीं, ये गोलियों की आवाज है। इसलिए मैं चिल्लाया, नीचे बैठ जाओ। एल्मोर ने किसी को चिकित्साकर्मी को बुलाने के बारे में सुना ।एल्मोर चिकित्साकर्मी नहीं थे लेकिन वह सेना में काम करने के दौरान प्राथमिक उपचार और सीपीआर देना जानते थे।

उत्तर प्रदेश में बाढ़ से 750 से अधिक गांव प्रभावित, आठ लोगों की मौत

लखनऊ। बारिश से कई नदियों में जलस्तर बढ़ा है जिससे 17 जिलों के 776 गांवों में बाढ़ आ गयी। उसके मुताबिक बाढ़ की वजह से 3,90,455 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है ।उत्तर प्रदेश में नदियों के उफान पर रहने के कारण 750 से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं और शनिवार शाम तक 24 घंटे में वर्षा से जुड़ी घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गयी।

राज्य के राहत विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, इस अवधि में उत्तर प्रदेश में औसतन 7.4 मिलीमीटर (मिमी) वर्षा दर्ज की गई। उनके अनुसार सात लोगों की डूबने से मौत हो गयी जबकि एक व्यक्ति की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से जान चली गयी ।विभाग ने कहा कि बारिश से कई नदियों में जलस्तर बढ़ा है जिससे 17 जिलों के 776 गांवों में बाढ़ आ गयी। उसके मुताबिक बाढ़ की वजह से 3,90,455 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। राज्य सरकार ने बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए 996 राहत शिविर बनाए हैं। विभाग के मुताबिक जलस्तर बढ़ने से 11,509 पालतू जानवर भी प्रभावित हुए हैं। उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त नवीन कुमार ने कहा, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम बाढ़ प्रभावित इलाकों में इससे जुड़े मुद्दों से निपटने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर काम कर रही हैं। हमने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत शिविर स्थापित किए हैं।

चार वर्षों में एक भी परीक्षा नहीं करा पाई एनआरए

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस ने ''शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने'' का बीड़ा उठाया है। उन्होंने पूछा कि राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (एनआरए) ने पिछले चार वर्षों में एक भी परीक्षा क्यों आयोजित नहीं की है। खरगे की प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शनिवार को मुंबई में की गई उस टिप्पणी पर आई है, जिसमें उन्होंने जोर दिया था कि पिछले तीन से चार वर्षों में आठ करोड़ नई नौकरियों के सृजन ने बेरोजगारी के बारे में फर्जी बातें फैलाने वालों को ''चुप'' कर दिया है ।खरगे ने 'एक्स' पर कहा, ''नरेन्द्र मोदी जी, कल आप मुंबई में नौकरियां देने पर झूठ का मायाजाल बुन रहे थे। मैं आपको पुन: याद दिलाना चाहता हूं कि आपने एनआरए की घोषणा करते हुए क्या कहा था।'' उन्होंने कहा, ''अगस्त 2020 में आपने कहा था कि एनआरए करोड़ों युवाओं के लिए वरदान साबित होगी और सामान्य पात्रता परीक्षा के माध्यम से, यह कई परीक्षाओं को समाप्त कर देगा तथा कीमती समय के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत करेगा। इससे पारदर्शिता को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा।''कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''हमारे 3 सवाल हैं - एनआरए ने पिछले चार वर्षों से एक भी परीक्षा क्यों नहीं कराई ?

46 वर्ष बाद खुला पुरी के जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार पुरी में 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर का 'रत्न भंडार' फिर से खोल दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि आभूषणों और अन्य कीमती वस्तुओं की एक सूची तैयार करने के लिए 46 वर्ष बाद इस भंडार को खोला जा रहा है। इसे पिछली बार 1978 में खोला गया था ।इससे पहले, राज्य सरकार द्वारा खजाने में रखी कीमती वस्तुओं की सूची बनाने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) बिश्वनाथ रथ ने बताया, ''जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार आज दोपहर एक बजकर 28 मिनट पर फिर से खोला जाएगा। उन्होंने बताया कि पुरी में हुई समिति की एक बैठक में यह फैसला लिया गया ।उन्होंने बताया कि समिति के सदस्यों में श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी भी शामिल हैं। ओडिशा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश रथ ने बताया कि जिस स्थान पर इन कीमती वस्तुओं को अस्थायी तौर पर रखा जाएगा।

मणिपुर में उग्रवादियों के हमले में सीआरपीएफ का एक जवान शहीद

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने की निंदा

इंफाल। मणिपुर के जिरीबाम जिले के मोंगबुंग गांव में रविवार सुबह संदिग्ध उग्रवादियों के हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक जवान शहीद हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हमले में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान बिहार के 43 वर्षीय अजय कुमार झा के रूप में की गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''जवान के सिर में गोली लगी थी और अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। घायल पुलिसकर्मी का इलाज जारी है।''मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने हमले की निंदा की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,''मैं आज जिरीबाम जिले में एक सशस्त्र समूह के हमले और उसमें सीआरपीएफ के एक जवान की हत्या की कड़ी निंदा करता हूं। इस सशस्त्र समूह के कुकी उग्रवादी होने का संदेह है।''उन्होंने कहा, कर्तव्य के निर्वहन के दौरान उनका सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। मैं शहीद सैनिक के शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं, साथ ही हमले के दौरान घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं ।पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात को भी गांव में गोलियों की आवाजें सुनाई दीं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि रविवार के हमले के बाद मोंगबुंग में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

विज्ञापन कार्यालय-130/4 - बाबू पुरवा कॉलोनी, किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता (विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

दीपावली व छठ पूजा की

NEW SAHU FAMILY RESTAURANT

638y-1, Block Kidwai Nagar

Near -Dasu Kunwa Chauraha Noubasta Kanpur

Suresh Sahu

M.-8303637506, 9792526852

Web .site—www.sahufamilyrestaurant.com

Sahu

Jai Ambey Traders

संपादकीय

बारिश से हलकान जिन्दगी

जिस्म झुलसाती गर्मी के बाद जिस मानसून के स्वागत में लोग पलक-पांवड़े बिछाए बैठे थे, उसके आने के बाद देश के विभिन्न भागों में बाढ़, भूस्खलन व जलभराव से सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। विभिन्न राज्यों में कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। भारत ही नहीं, पड़ोसी देश नेपाल में भूस्खलन के बाद दो बसें उफनती नदी में गिर गई, जिससे साठ लोगों के लापता होने की आशंका है। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को आठ सौ गांव बाढ़ से प्रभावित बताए गए, जिसमें करीब चालीस लाख लोगों पर इसका असर पड़ा है। कई गांवों में घर से काम पर निकलने के लिये लोगों ने नावों का इस्तेमाल किया। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर तीन फीट से अधिक पानी खड़ा था। जिसके कारण हाईवे का एक हिस्सा बंद कर दिया गया है। वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है। पीलीभीत के एक डैम का पानी छोड़े जाने से दर्जनों गांव जलमग्न हो गए। गांवों में चार से पांच फीट तक पानी भर जाने के कारण लोग सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। लोगों का कहना है कि ऐसी बाढ़ डेढ़ दशक बाद देखी गई है। कई स्थानों पर राप्ती नदी खतरे के निशान को पार कर बह रही है, जिससे कई गांवों पर बाढ़ का संकट मंडरा रहा है। लाखों हेक्टेयर में खड़ी फसल जलमग्न हो गई है। कई जगह कटाव के कारण जल भराव देखा गया है। नेपाल से लगते उत्तर प्रदेश के सात जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। यहां एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें राहत व बचाव में लगी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई सर्वेक्षण से बाढ़ का जायजा लिया है। देश की वाणिज्य राजधानी मुंबई में भी मूसलाधार बारिश से सामान्य जनजीवन बुरी तरह बाधित रहा। जहां एक ओर सड़कें जलमग्न रही, रेल की पटरियों में पानी भर गया तो हवाई यात्रा भी बाधित हुई। कई एअरलाइन्स को एडवाइजरी जारी करनी पड़ी कि हवाई जहाजों को उड़ान भरने में देरी हो सकती है।

वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड में बारिश कहर बनकर बरस रही है। पिछले पांच दिन से लगातार जारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से करीब दो सौ से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। सबसे चिंताजनक हालात चारधाम मार्ग पर हैं। करीब दो दर्जन स्थानों पर हुए भारी भूस्खलन से चारधाम यात्रा मार्ग पिछले तीन दिन से बंद है। जिसके चलते करीब चार हजार श्रद्धालु बीच में ही फंसे हुए हैं। बद्रीनाथ रूट पर भूस्खलन के कारण दोनों तरफ लंबा जाम लगा है। सड़कों के किनारे गाड़ियों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। कई गहरे निचले इलाकों में जलभराव के कारण यातायात ठप हो गया है। हालांकि बद्रीनाथ मार्ग पर प्रशासन सड़कों से मलबा हटाने में जुटा है लेकिन बारिश के कारण राहत कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। यही वजह है कि अधिकांश श्रद्धालु जोशीमठ के आसपास फंसे हुए हैं। उधर भारतीय मौसम विभाग ने मुंबई के लिये यलो अलर्ट जारी किया है। यानी दिन भर बारिश होने की बात कही जा रही है। तो ठाणे व नवी मुंबई के लिये ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं निचले इलाकों में जलभराव से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो रहा है।

कारगिल के सबक दूर करेंगे अग्निपथ की खामियां

यह खतरनाक है और इससे बचा जाना चाहिए था। सरकार चाहे तो संसद और मीडिया में चल रही गर्मागर्म बहसों का तापमान ठंडा करने को, इस मौजूदा समस्या का हल कारगिल से मिले सबक लागू कर निकाल सकती है। वह विपक्ष और शिकायत कर रहे जनपक्ष को आश्वस्त करे कि जाने-माने गैर-राजनीतिक विशेषज्ञों की टीम द्वारा, खुले मन से, तय समय-सीमा के भीतर, इस योजना पर पुनर्विचार करवाया जाएगा।

यह पहली बार नहीं होगा कि वक्त की हुकूमत सेना की भर्ती- नीतियों की पुनर्समीक्षा करवाना चाहेगी, इसके लिए विगत में ले. के बालाराम और ले. जनरल हरवंत सिंह द्वारा बनाई रिपोर्टों का पुन: अध्ययन किया जा सकता है।

कारगिल युद्ध (1999) में 4 जुलाई का बड़ा महत्व है, इस दिन इस युद्ध के क्रियान्वयन एवं राजनीतिक पहलुओं पर गोष्ठियां आयोजित होती हैं। इस बार, वर्तमान चुनौती-अग्निपथ योजना- के बीच चले विमर्शों ने ऊंचाई वाले रणक्षेत्र के रक्षा प्रबंधन तंत्र में सुधार हेतु महत्वपूर्ण उपाय पेश किए हैं। क्रियान्वयन के स्तर पर, टाइगर हिल (16,606 फीट) पर 18वीं ग्रेनेडियर बटालियन की 'घातक' पलटन द्वारा किया कब्जा भारत के लिए निर्णायक मोड़ वाला रहा, पाकिस्तानी सेना का नेतृत्व कर रहे जनरल परवेज़ मुशर्रफ को इस नुकसान से भान हो चला था कि यह उनके बेवकूफाना दुस्साहस के अंत की शुरुआत है।राजनीतिक स्तर पर, तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति से वाशिंगटन डीसी में तत्काल मुलाकात के लिए समय मांगा, इसका परिणाम स्पष्ट था। जहां नवाज़ शरीफ की इच्छा अमेरिकी दखल से भारत को संयमित करवाने की थी वहीं क्लिंटन का संदेश एकदम दृढ़ था 'पाकिस्तानी फौजियों को वास्तविक नियंत्रण सीमा के पार, वापस अपनी पुरानी जगह पर लौटना होगा।' लाचार हुए पाकिस्तान प्रधानमंत्री के पास इस सलाह को मानने के अलावा कोई अन्य चारा न था, यह थप्पड़ रावलपिंडी के पाकिस्तानी सेना मुख्यालय में बैठे जनरलों के मुंह पर भी अपमान का तमाचा था।

हालांकि, आधिकारिक रूप से युद्ध 26 जुलाई को समाप्त घोषित हुआ था, जिसे भारत में 'विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संभावना है कि भाजपा नीत एनडीए गठबंधन की सरकार इस अवसर की 25वीं वर्षगांठ को विशाल स्तर पर मनाएगी। इस लड़ाई के परिणामों का गहराई से आकलन और विमर्श, भारत की मौजूदा राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता की अहमियत पर पुनर्विचार करने का आह्वान करते हैं।वर्ष 1999 के युद्ध साल को कई वजहों से त्रिकोणीय कहा जा सकता है- मसलन, चाहे यह 'परमाणु परछाई' (भारत और पाकिस्तान, दोनों ने, मई 1998 में अपनी परमाणु समर्था का प्रदर्शन किया) या दिसम्बर, 1991 में महाशक्तियों के बीच शीत युद्ध की समाप्ति के बाद कारगिल युद्ध इस उप-महाद्वीप का पहला बड़ा संघर्ष था या फिर इस तथ्य के मद्देनज़र कि उस वक्त अटल बिहारी वाजपेयी कार्यकारी प्रधानमंत्री थे। लेकिन मेरी नज़र में इस युद्ध का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम वह फैसला था जब भाजपा नीत एनडीए ने लड़ाई से पहले की कोताहियों और कमियों की उद्देश्यपूर्ण समीक्षा के लिए गैर-सरकारी विशेषज्ञों के समूह को काम सौंपना स्वीकार किया।कारगिल युद्ध जीत थी भारतीय फौजी की कभी न दबने वाली लड़ाकू खासियत और पराक्रम की, और टाइगर हिल एवं तोलोलिंग चोटी पर फतह इसका जीवंत उदाहरण है। बेशक जहां इस बहादुरी को याद किया जाता है और मानना बनता है, वहीं बड़ी संख्या में जवानों की कीमती जानों का बलिदान हुआ, वहीं ऊंचाई वाले रणक्षेत्र की बाबत देश के रक्षा विभाग के कर्ता-धर्ताओं को उनकी व्यापक असफलताओं के लिए कठघरे में भी खड़ा करता है।यह श्रेय तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी को जाता है कि उन्होंने 29 जुलाई, 1999 को रक्षा अध्ययन विशेषज्ञ के. सुब्रह्मण्यम के नेतृत्व में एक समीक्षा कमेटी गठित की, जिसको काम सौंपा गया- जम्मू-कश्मीर के लद्दाख जिले के कारगिल में पाकिस्तानियों की घुसपैठ के पूर्व-कारकों की पड़ताल और भविष्य में इस प्रकार की सशस्त्र सेंधमारी से राष्ट्रीय सुरक्षा को पैदा होने वाले खतरों की रोकथाम के आवश्यक उपाय सुझाना।विशेष व प्रशंसनीय ढंग से, कारगिल समीक्षा कमेटी ने समय से पहले अपना काम दिसम्बर, 1999 के मध्य में पूरा कर दिखाया- तयशुदा सीमा से एक महीना पहले- और 23 फरवरी, 2000 को कारगिल रिपोर्ट संसद में पेश की गई। तुरंत बाद, यह रिपोर्ट बतौर एक किताब छपी और कुछ हिस्सों की कांट-छांट के बाद सार्वजनिक तौर पर भी जारी हुई। 'कारगिल-1999' नामक यह रिपोर्ट काफी हद तक पारदर्शितापूर्ण है जबकि अक्तूबर, 1962 में चीन के हाथों मिली अभागी हार की समीक्षा में ऐसा अभी तक नहीं हो पाया। नेहरू से लेकर मोदी तक आए, किसी भी प्रधानमंत्री ने इतना निश्चय नहीं दिखाया कि हेंडरसन-ब्रुक्स रिपोर्ट को सार्वजनिक रूप से जारी किया जाए, हालांकि लीक हुए दस्तावेज साइबर स्पेस पर उपलब्ध हैं।आज, कारगिल विजय के 25 साल बाद, यह शर्म की बात है कि कारगिल समीक्षा समिति द्वारा सुझाई मुख्य हिदायतों में बहुतों पर संसद में न तो विमर्श हुआ न ही संबंधित संसदीय समिति में विस्तारित और रचनात्मक ढंग से इस पर विचार हुआ। तुर्रा यह है बात जब राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के मुख्य निर्णयों की बात आए तो पारदर्शिता की बजाय हद दर्जे की पर्देदारी और पैदा की गई अस्पष्टता का आवरण चढ़ा दिया जाता है। एक बड़ा उदाहरण है, जून, 2022 को लागू की गई अग्निपथ योजना, जिसके तहत युवा फौजियों को चार साल के सीमित कार्यकाल के लिए भर्ती किया जाना है। हालिया लोकसभा चुनाव में अग्निपथ योजना काफी बड़ा मुद्दा बनकर उभरी और राजनीतिक रूप से ध्यान का मुख्य केंद्र बनी रही। मोदी सरकार की असहजता बढ़ाते हुए, इस योजना के खिलाफ पहली आवाज खुद मुख्य सहयोगी दल जदयू ने उठाई। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर संसद को गुमराह करने का आरोप रक्षा मंत्री पर लगाया है। इस मुद्दे पर तेज़ाबी राजनीतिक प्रतिरोध का माहौल जोर पकड़ता जा रहा है, उधर सोशल मीडिया पर चल रहे 'संग्राम' में तीनों अंगों के पूर्व मुखिया भी कूद पड़े हैं। पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज नरवाणे ने विमोचन की बाट जोह रही अपनी किताब में इस योजना के संदर्भ में लिखा है 'सेना ने बतौर एक छोटा प्रयोग, मध्यमार्गी स्वरूप में, यह प्रस्तावित योजना प्रधानमंत्री कार्यालय को सौंपी थी, जिसने आगे इसमें भारी बदलाव करते हुए, पेंशन का भार कम करने की खातिर, सेना में भर्ती और सेवाकाल का नया प्रारूप बनाकर लागू कर डाला। दो पूर्व नौसेना प्रमुख (एडमिरल अरुण प्रकाश और एडमिरल केबी सिंह) ने सार्वजनिक रूप से अपने विचार प्रकट करते हुए इस योजना की कमियां गिनाई हैं, उनके अनुसार जल्दबाजी में लागू की गई इस योजना के पीछे मुख्य कारण वित्तीय कोण है।जैसा कि अनुमान था, मोदी सरकार ने अग्निपथ के बचाव में, भाजपा में शामिल हो चुके, पूर्व वायुसेनाध्यक्ष एअर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया को मैदान में उतारा। इस तरह एक संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दा राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के कड़वाहट भरे ध्रुवीकृत खेल में तबदील हो गया।

महंगे स्कूल में उनके बच्चे कैसे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं?

गोंदिया।साथियों बात अगर हम भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी रिपोर्ट 2023 को खारिज करने की करें तो,भारत ने इसे बेहद पक्षपातपूर्ण बताया है। 28 जून 2024 को नई दिल्ली में मीडिया को जानकारी देते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इसमें भारत के सामाजिक ताने-बाने की समझ का अभाव है और यह स्पष्ट रूप से वोट बैंक के विचारों और एक निर्देशात्मक दृष्टिकोण से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास अपने आप में आरोप-प्रत्यारोप, गलत बयानी,तथ्यों काचयनात्मक उपयोग, पक्षपाती स्रोतों पर निर्भरता और एकतरफा सोच का मिश्रण है, जिसमें अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत बढ़ने की बात कही गई थी। एक खास तरह की नैरेटिव गढ़ने के लिए इस रिपोर्ट में चुनिंदा घटनाओं को चुना गया है।धार्मिक स्वतंत्रता पर ज्ञान दे रहे अमेरिका को भारत ने फिर लगाई फटकार, कहा- पुरानी घटनाओं के माध्यम से गढ़ा गया नैरेटिव। उन्होंने आगे कहा कि रिपोर्ट भारतीय न्यायालयों द्वारा दिए गए कुछ कानूनी निर्णयों की अखंडता को भी चुनौती देती प्रतीत होती है, जैसा कि पहले भी कई बार हुआ है,अमेरिका द्वारा जारी यह रिपोर्ट बहुत ही पक्षपातपूर्ण है। अमेरिकी रिपोर्ट अपने आप में आरोपों, गलत बयानी, तथ्यों के चयनात्मक उपयोग, पक्षपातपूर्ण स्रोतों पर निर्भरता और मुद्दों के एकतरफा प्रक्षेपण का मिश्रण है। रिपोर्ट में एक खास तरह की नैरेटेव को गढ़ने के लिए पुराने घटनाओं का हवाला दिया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट स्पष्ट रूप से वोट बैंक के विचारों और एक निर्देशात्मक दृष्टिकोण से प्रेरित है। हालांकि भारत इस तरह की रिपोर्ट्स को पहले से ख़ारिज़ करता रहा है।पहले के अपने बयानों में भारत के विदेश मंत्रालय ने इस रिपोर्ट को प्रकाशित करने वाले आयोग को पक्षपाती बताया था।भारतीय विदेश मंत्रालय का कहना था कि सालाना रिपोर्ट में भारत को लेकर दुष्प्रचार किया जा रहा है।मालूम हो कि अमेरिका ने बुधवार को धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट जारी कर कहा था कि भारत में अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत बढ़ रही है। रिपोर्ट में भारत में अल्पसंख्यक समूहों पर हिंसक हमलों का आरोप लगाया गया है। इसमें मणिपुर में मई 2023 में शुरू हुई हिंसा का भी हवाला दिया गया है।

और तनाव एवं नकारात्मकता को दूर करना सिखाता है।यह हमें अपने भीतर से जुड़ने तथा अपने जीवन में शांति और सद्भाव पाने में मदद कर सकता है।केंद्रीय आयुष रा'य मंत्री ने इस बात पर बल दिया है कि इस वर्ष का विषय स्वयं और समाज के लिए योग व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में योग की दोहरी भूमिका को परिलक्षित करता है।उन्होंने कहा,योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव को भी बढ़ावा देता है।हाल के वर्षों में लाखों लोगों की उत्साही भागीदारी जन-समुदायों पर योग के गहन प्रभाव को दर्शाती है।उन्होंने यह भी घोषणा की कि पीएम ने प्रत्येक ग्राम प्रधान को पत्र लिखकर जमीनी स्तर पर भागीदारी और ग्रामीण क्षेत्रों में योग के प्रसार को प्रोत्साहित किया है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य समारोह श्रीनगर में आयोजित किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता एक बार फिर पीएम करेंगे।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा 10 दिन पूर्व से ही योग दिवस की सक्रियता की करें तो उन्होंने सभी देशवासियों से योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आग्रह किया है। उन्होंने यह भी कहा कि योग से हमें असीम शांति प्राप्?त होती है, जिससे हम जीवन की चुनौतियों का सामना शांति और धैर्य के साथ कर सकते हैं।आने वाले योग दिवस को ध्?यान में रखते हुए वीडियो का एक सेट भी साझा किया, जो विभिन्न आसनों और उनके लाभों के बारे में हमारा मार्गदर्शन करता है। पीएम ने एक्स पोस्ट की एक श्रृंखला में कहा;अब से दस दिन बाद, दुनिया 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एकता और सद्भाव का समारोह मनाने वाली एक शाश्वत पद्धति है। योग ने सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार कर लिया है और इसने समग्र कल्याण की तलाश में विश्?व के लाखों लोगों को एकजुट किया है।इस वर्ष के योग दिवस के नजदीक आते ही, योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने और दूसरों को भी इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराना ज़रूरी है। योग से हमें असीम शांति प्राप्?त होती है, जिससे हम जीवन की चुनौतियों का सामना शांति और धैर्य के साथ कर सकते हैं।योग दिवस नज़दीक आ रहा है, इसलिए मैं कुछ वीडियो शेयर कर रहा हूँ, जो विभिन्न आसनों और उनके लाभों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। मैं आशा करता हूं कि यह आप सभी को नियमित रूप से योग का अभ्यास करने के लिए प्रेरित करेगा।

साथियों बात अगर हम इस वर्ष से अंतर्राष्ट्रीय योग पुरस्कार2024 की शुरुआत की करें तो,आयुष रा'य मंत्री ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया इस साल का प्रमुख कार्यक्रम श्रीनगर में होगा ब्रायन लिपि में सामान्य योग प्रोटोकॉल बुक को लांच किया गया दो संगठन भारतीय लोगों को और दो पुरस्कार विदेशी संस्थाओं को पुरस्कार दिया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग पुरस्कार 2024 की शुरुआत हो रही है।

साथियों बात अगर हम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के इतिहास की करें तो, इस प्रस्ताव को व्यापक समर्थन मिला। 11 दिसंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने संकल्प 69/1×1 को अपनाया जिसके तहत 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2015 को मनाया गया था, जिसमें 190 से ज़्यादा देशों में कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। तब से, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम बन गया है जिसे दुनियां भर के लोग मनाते हैं।अत: अगर हम उपरोक्तपूरेविवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 10 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024- स्वयं व समाज के लिए योग-हर घर योग।

किशन सनमुख़दास भावनानी

भिखारी के वेश में पिस्टल व तमंचा की हो रही थी तस्करी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना हरवंश मोहाल व अपराध शाखा संयुक्त टीम के अथक प्रयास से दुर्दान्त अपराधी हरी शंकर शर्मा पुत्र राम गोपाल शर्मा नि0 52/27 नयागंज थाना कलक्टरगंज कानपुर नगर उम्र करीब 65 वर्ष को गिरफ्तार किया जिस पर जनपद के विभिन्न थानो मे हत्या, मादक पदार्थ तस्करी व अवैध हथियार तस्करी से सम्बन्धित अभियोग पंजीकृत है, अभियुक्त की भिखारी के भेष मे पुन: अवैध शस्त्र तस्करी में लिप्त होने की जानकारी लगातार हरबंश मोहाल पुलिस को मिल रहीं थीद्य जिसपर हरबंश मोहाल थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने अपराध शाखा की टीम की मदद से दिनांक 13.07.2024 को गणेश मंदिर के सामने पार्क के बगल की गली से अभियुक्त हरी शंकर शर्मा को गिरफ्तार कर लिया जिसके कब्जे से 02 अदद तमंचा 32 बोर व एक अदद पिस्टल 32 बोर 02 अदद जिन्दा कारतूस 32 नाजायज बरामद हुआ

नीट परीक्षा की सुचिता पर अनगिनत सवाल उठाए गए

पंकज कुमार मिश्रा, व्यंग्यकार / पत्रकार जौनपुर, यूपी

नीट और नेट दोनों परीक्षाओं ने सरकारी एजेंसियों की पोल खोल कर रख दी। पेपर लीक को लेकर जो विवाद सामने आया है वह नया नहीं है आहिस्ता आहिस्ता उसका एक बड़ा स्वरूप कुछ गलतियों के कारण अब खुलकर सामने आया है। इससे पहले भी यह होता रहा पर सब गुपचुप तरीके से पर तब सारी व्यवस्था नीट और क्लीन ही समझी जाती रही। नीट परीक्षा की सुचिता पर अनगिनत सवाल उठाए गए ।नीट में जो कुछ हुआ उसके तमाम सच सामने आ गए हैं किन्तु यदि कार्रवाई भी हुई तो वह किसी अदने कारखास पर होकर समाप्त हो जाएगी या पुन: परीक्षा की एक नौटंकी । आला अधिकारी एक बार फिर बच जायेगा राम गोविन्द चौधरी की तरह। तिकड़मी लोगों के गिरोह इस दस साल में इतने पनपे हैं कि उन्हें किसी का डर नहीं। इन तिकड़मी लोगों को विपक्ष से जोड़कर देखें तो यह इंगित करता है कि किस तरह हर तरह के षड्यंत्रों और घपलों की इसे खरीदने वालों को दी गई है ।जब विज्ञापन 48 और 50 की हायर एजुकेशन के सीटे पचीस पचीस लाख में बिकने की खबर वायरल हुईं उससे अब यें नीट या नेट परीक्षा में जो कारगुजारियां दिखाई दी हैं वह तो सामान्य ही लगती हैं।सब जांच के घेरे में आनी चाहिए। पर निष्पक्ष जांच की उम्मीद अब कहां है ? जहां तक पेपर लीक का मामला है वह नया नहीं है सब चल रहा है बरसों से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, गुजरात प्रदेशों की बोर्ड परीक्षाओं में जब शिक्षकों से यह कहा जाता है कि रिजल्ट बिगड़ा तो उसकी खैर नहीं तो वह विद्यार्थियों के लिए नकल की तरकीबें निकाल लेता है मेरिट चाहिए तो वह भी। आसान तरीका बता देता है कि फलां फलां सेंटर में इतने लाख जमा करो परीक्षा में बैठो और जैसा चाहो वैसा रिजल्ट बनाओ। ये सब खुलेआम होता रहा किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो नीट जैसी परीक्षाएं कैसे अछूती रह सकती हैं। बड़ी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा है बहुत मायने रखती हैं और बहुत कमाई का जरिया भी पनपती है।उत्तर प्रदेश 2011 टीईटी मेरिट घोटाला और मध्यप्रदेश प्रदेश में व्यापम काफ़ी चर्चित रहे। जो इस प्रकार के धांधली के जीते जागते गवाह थे। इसकी नाटकीय कितनी जांच पड़तालें चली पर सब धुआं बन के उड़ गई। सुधार ये हुआ कि व्यापम नाम बदल दिया गया और 2011 के योग्य बेरोजगार आज भी दर दर की ठोकरे खा रहें । पिछले सालों में यहां पटवारी भर्ती परीक्षा का हाल भी ठीक नीट की तरह ही था एक सेंटर से पांच छै ढपोरशंख मेरिट में आए, जाँच कराइये देखिए जितने लेखपाल बने है सब जुगाड़ से बने है ।ऐसे टॉपरो से ज़ब पत्रकार मिलने पहुंचे तो उनमें से चयनित उम्मीदवार सामान्य यूपी और मध्यप्रदेश की जानकारी और पेपर में आए सरल सवाल के उत्तर नहीं दे पाए मुंह चुराते रहे और कुछ भाग खड़े हुए। तब भी खूब विरोध हुआ पर हुआ कुछ नहीं वे सब सरकारी नौकरी शान से कर रहे हैं। बाकी पुलिस से पिटे लोग ठगे से घर में बैठे हुए हैं। इस दौर में चुनावों के आस पास वोट लालच में राज्यों में नौकरियां दबाव वश साज़िश के तहत खूब खूब निकाली जाती रहीं आवेदन के नाम पर बेरोजगार युवाओं से लंबी फीस वसूली गई। परीक्षाएं सालों बाद विलंब से हुई फिर पेपर आउट किए जाते रहे परीक्षाएं निरस्त होती रहीं 2011 के शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए तीन-तीन बार आवेदन शुल्क वसूला गया, करोड़ों लूट लिए गए बेरोजगार छात्रों से पर रोजगार किसी को नहीं मिला उनकी उम्र निकल गई। मिडिया ने इस मुद्दे को खूब सिलसिलेवार उछाला पर इक्का दुक्का परीक्षा के सिवा कोई बात नहीं बनी। आज़ नीट और नेट परीक्षा के प्रभावित छात्र आंदोलन रत हैं विपक्ष उनके साथ खड़ा है पर क्या इस सरकार से आप उम्मीद कर सकते ह

" जो पिछले ओवर एज बेरोजगार है उन्हें बुलाकर ससम्मान नौकरी दें सकती है ! ईडी, सीबीआई वगैरह कब ऑफिस बाबुओ और बड़े अधिकारीयों के घर छापेमारी करेंगी ! इस प्रणाली के ज़रिए येन-केन प्रकारेण फिर कोई सीन नहीं होगा क्या गारंटी ! नीट और क्लीन शिक्षा और रोजगार की हमारी उम्मीदें समाप्त है और युवाओं के भविष्य की बुनियाद ना केवल परीक्षाओं से बल्कि हमारे चर्चाओं से समाप्त हो जाएगी।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

लूटपाट करने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार, कई घटनाओं को दे चुके थे अंजाम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिल्हौर कस्बे व आसपास के इलाकों में लूटपाट करने वाले गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। चार युवकों का गिरोह आसपास के जनपदों में देर रात सड़क पर चलने वाले लोगों को अवैध असलहा दिखाकर लूट लेता था।

गुरुवार को उत्तरीपुरा-अलियापुर मार्ग पर हुई लूटपाट की घटना में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सर्विलांस टीम की मदद से गिरोह को गिरफ्तार कर लिया। जनपद औरैया के निवासी डॉक्टर शिव तोमर पुत्र भूरे सिंह के साथ हुई लूटपाट के मामले में पुलिस की

सक्रियता से पूरे गिरोह का खुलासा हो सका। पुलिस ने घटना मे प्रयुक्त गाड़ी नंबर के सर्विलांस का फायदा उठाते हुए चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि बिल्हौर क्षेत्र के अलियापुर-उठ्ठा-उत्तरीपुरा मार्ग पर देर शाम को बाइक व कार से चलने वाले राहगीरों के साथ लूटपाट करने वाले इस गिरोह ने कई घटनाओं को अंजाम दिया है। शिव तोमर संग हुई लूट की घटना के बाद पुलिस ने आनन-फानन में सर्च ऑपरेशन चलाया। जिसमें घेराबंदी करके देर रात गुरुवार को चार युवकों को बिल्हौर चौराहे पर गिरफ्तार कर लिया गया।

जिसमें प्रतीक उर्फ अंशु यादव पुत्र नरेंद्र यादव हिमसुद्दीनपुर थाना ठठिया जिला कन्नौज, दीपक उर्फ दीपू यादव पुत्र हरभान सिंह बंन पुत्र निवासी खिरिया थाना ककवन, घश्याम पाल पुत्र रामखेलावन निवासी गडरडियन पुरवा थाना रसूलाबाद, अवनीश उर्फ आकाश यादव पुत्र रामगोपाल निवासी ग्राम खिरिया थाना ककवन को गिरफ्तार किया गया।

घटना में प्रयुक्त होने वाली कार व कई मोबाइलों के साथ लोहे की राड बरामद हुई। घटना के खुलासे पर डीसीपी पश्चिम विजय ढुल ने गिरफ्तार करने वाली टीम को 25 हजार रुपये का इनाम दिया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

सेंट्रल स्टेशन व गोविंदपुरी से जाने वाली लंबी दूरी की 12 ट्रेनों में बढ़े जनरल कोच

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनरल कोच के यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के मकसद से रेलवे ने अहम फैसला लिया है। वाया सेंट्रल स्टेशन व गोविंदपुरी से जाने वाली लंबी दूरी की 12 ट्रेनों में जनरल कोचों की संख्या में विस्तार करते हुए 24 नए कोच लगाए हैं। कोचों की संख्या में विस्तार के लिए 22 अन्य ट्रेनों को भी चिह्नित किया गया है।

जिसमें सामान्य श्रेणी के अतिरिक्त कोच लगाने की योजना है। इससे सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी। जिन ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने का फैसला लिया गया है, उनमें 15634, 15633 गुवाहाटी-बीकानेर एक्सप्रेस, 15631, 15632 गुवाहाटी-बाड़मेर एक्सप्रेस, 15653, 15654 गुवाहाटी-जम्मू तवी एक्सप्रेस, 15636, 15635 गुवाहाटी-ओखा एक्सप्रेस, 20415, 20416 वाराणसी-इंदौर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 20413, 20414 काशी महाकाल वाराणसी इंदौर सुपरफास्ट ट्रेनें शामिल हैं। इन सभी गाड़ियों में लगाए गए अतिरिक्त जनरल कोच से आम लोगों को काफी राहत मिलेगी। इसके साथ ही आरक्षित एसी कोचों में ओवरक्राउड की समस्या का भी समाधान होगा। जनरल कोच में जगह न मिलने के कारण यात्री एसी कोचों में भी सवार हो जाते थे।

केस्को के अकाउंटेंट ट्रेन के आगे कूदे, मौत

पत्नी बोली- एमडी समेत अन्य अधिकारी कर रहे थे प्रताड़ित

कानपुर। कानपुर में केस्को के अकाउंटेंट ने शुक्रवार सुबह कोकाकोला क्रॉसिंग पर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर लिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। मौत की खबर पाकर परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। जहां मृतक की पत्नी ने केस्को एमडी समेत अन्य अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में छानबीन शुरू की। नजीराबाद थानाक्षेत्र के लाजपत नगर में रहने वाले विनय कुमार मेहरोत्रा (54) केस्को एमडी ऑफिस में अकाउंटेंट सेक्सन में क्लर्क के पद पर तैनात थे। उनके परिवार में पत्नी पूजा, दो बेटे सार्थक और दिव्यांग है। पत्नी पूजा ने बताया कि उनके पति का 15 दिन पहले केस्को एमडी ऑफिस से परेड ऑफिस में ट्रांसफर हो गया था। इतना ही नहीं, ट्रांसफर होने के बाद भी केस्को एमडी समेत अन्य अधिकारी उनके जबरन 40 साल का रिकॉर्ड देने का दबाव बना रहे थे। जबकि उन्होंने चार आलमारियों का रिकॉर्ड बनाकर सौंप दिया था, लेकिन कई पुरानी फाइलें मिल नहीं रही थी। इस पर केस्को एमडी ने धमकी दी थी। एमडी ने कहा था कि अगर रिकॉर्ड मिला नहीं तो एफआईआर दर्ज करवाकर तुम्हें जेल भिजवा देंगे। जिस बात से वह परेशान रहने लगे थे और शुक्रवार सुबह वह घर से दवा लेने की बात कहकर निकले थे। तभी उन्होंने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली।

पत्नी बोली- वीआरएस लेने की कर ली थी तैयारी

पत्नी पूजा का आरोप है कि केस्को के अधिकारियों ने उनके पति को इतना प्रताड़ित किया था कि उन्होंने वीआरएस लेने की तैयारी कर ली थी। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही परिजना का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। बदहवास हालत में पत्नी बस अपने पति की दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही है।

मृतक की पत्नी पूजा ने बताया कि उनका बड़ा बेटा सार्थक सीए है। बीते नवंबर में गुमटी निवासी सीए पलक से शादी की थी। दोनों मौजूदा समय में नोएडा की मल्टीनेशनल कंपनी में सीए है। शादी के बाद बहू का पैर टूट जाने के चलते बेटा और बहू हनीमून मनाने नहीं जा सके थे। अभी एक सप्ताह पहले बेटा और बहू दोनों बाली हनीमून मनाने गए हुए थे। शुक्रवार को यानी आज वह वापस घर लौट रहे थे।

अनफिट बसें मिलीं तो ड्राइवर व मालिक पर होगी कार्रवाई

कानपुर। रूट पर अनफिट बसें मिलीं तो चालक के साथ साथ वाहन स्वामी पर भी कार्रवाई होगी। ये कहना है कि उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह का। उन्होंने कहा कि तीन बार किसी वाहन का चालान होगा तो चौथी बार वाहन का रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिया जाएगा। सिग्नेचर ग्रीन बस अड्डे का उद्घाटन करने पहुंचे परिवहन मंत्री ने उन्नाव स्लीपर बस हादसे पर बोले कि यूपी की अनफिट बसें नहीं चल रही हैं बल्कि बिहार, उड़ीसा, कनार्टक जैसे राज्यों की अनफिट बसें यूपी की सड़कों पर दौड़ रही हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों मे अधेड़ की मौत; पुलिस ने अन्तिम संस्कार रुकवाया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिल्हौर- ककवन थाना क्षेत्र के कुरेह गांव मे एक अधेड़ व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों मे मौत हो गई। हालांकि पुलिस को बगैर जानकारी दिए परिजन अन्तिम संस्कार के लिए गंगा घाट पहुंच गए। लेकिन ग्रामीणों से सूचना पाकर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर अन्तिम संस्कार से रोक दिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए कानपुर के पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। थाना प्रभारी अवनीश कुमार सिंह के मुताबिक कुरेह गांव का निवासी संतोष (50) पुत्र धनीराम शराब का लती था। कुछ समय पहले ही पंजाब से लौटे संतोष ने गुरूवार को गांव के बाहर पत्नी को बुरी तरह पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। मौके पर पहुंचे पुत्र राज (16) ने अपनी मां को मामा की मदद से पिता की पिटाई से बचाया और अस्पताल लेकर गया। वहीं शराब के नशे मे पड़े संतोष को गांव वालों ने घर में जाकर छोड़ दिया। सुबह पिता धनीराम द्वारा देखे जाने पर संतोष को मृत पाया गया। जिसके बाद बेटे और पिता के साथ अन्य परिवारिक जन संतोष का अन्तिम संस्कार करने के लिए नानामऊ घाट के लिए ले जाने लगे। इधर किसी ग्रामीण ने डायल 112 को हत्या की सूचना दी, जिसपर हरकत

मे आयी। पुलिस फोर्स ने आनन-फानन में अनूतम संस्कार को रोक दिया और शव को अपने कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। प्रभारी निरिक्षक अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर नहीं प्राप्त ही है लेकिन शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्रेमजाल में फंसाकर प्रेमिका ने किया ब्लैकमेल, छीन ली कार, खाते से उड़ाए 40 हजार, पीड़ित की मां ने दर्ज कराई रिपोर्ट

कानपुर। चकेरी थानाक्षेत्र में एक महिला ने युवती पर उनके बेटे को प्रेमजाल में फंसाकर वसूली और ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। आरोप है, कि इस काम में युवती के परिजन भी उसका साथ दे रहे हैं। आरोप लगाया कि आरोपी उनके बेटे की कार जबरन ले गए और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित की मां ने मामले की शिकायत डीसीपी पूर्वी से की। जिनके आदेश पर चकेरी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। लाल बंगला निवासी महिला संध्या द्विवेदी के अनुसार वह पूर्व में काकादेव पुरानी बस्ती में रहती थी। काकादेव में रहने के दौरान बेटे रजत द्विवेदी को शास्त्री नगर निवासी युवती आकांक्षा सिंह ने अपने प्रेमजाल में फंसा लिया और उसे ब्लैकमेल कर परेशान करने लगी। इस वजह से वह अपने बेटे के साथ चकेरी लाल बंगला में अपने रिश्तेदार के वहां पर रहने लगी। इस दौरान युवती उनके बेटे की सियाज कार जबरन ले गई, साथ ही बेटे को धमकाकर 40 हजार रुपये ऑनलाइन ले लिए। पीड़ित के अनुसार इन सब में युवती की मां गुड़ियां व भाई आशीष सिंह दोनों लोग मिले है और उसका साथ देते है। आरोप है, कि युवती व उसके परिजन लगातार बेटे और उनको फोन कर गाली गलौज करने के साथ जबरन रुपये मांगते हैं, विरोध करने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देते हैं। पीड़ित की मां ने मामले की शिकायत डीसीपी पूर्वी श्रवण कुमार सिंह से की। इस संबंध में चकेरी प्रभारी निरीक्षक अशोक दुबे ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बीएसए ने मीटिंग में कहा कि ऑन लाइन हाजिरी लगानी पड़ेगी

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने बीआरसी सरवनखेड़ा में बीईओ अजीत प्रताप सिंह, एसआरजी, एआरपी, नोडल शिक्षक संकुल, इन्ट्रीनेट शिक्षक एवं शिक्षक संघ के पदाधिकारियों के साथ विकासखण्ड की शैक्षणिक व्यवस्था, डीबीटी, ऑनलाइन उपस्थिति, दीक्षा ऐप, निपुण लक्ष्य ऐप, स्विफ्ट चैट ऐप आदि बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक अपना कार्य विद्यालय में समय से पूर्ण करें। दीक्षा एप पर उपलब्ध कंटेंट को शिक्षक नियमित कक्षा शिक्षण के समय छात्र छात्राओं को दिखाएं। निपुण लक्ष्य ऐप पर सभी शिक्षक बच्चों का आकलन करें जिससे उनके भाषा और गणित में लर्निंग आउटकम में वृद्धि हो सके। ऑनलाइन उपस्थिति सभी विद्यालय अपने टैबलेट के माध्यम से भेजें। किसी भी शिक्षक को ऑनलाइन उपस्थिति भेजने में यदि कोई समस्या है तो ब्लॉक स्तर पर उपलब्ध टेक्निकल टीम एवं एआरपी आप सबका सहयोग करेंगे। इस कार्य में सभी शैक्षिक संगठन अपना सहयोग करें और शिक्षकों के मध्य जो भी गलत भ्रांतियां उत्पन्न हो रही हैं उनको दूर करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा समाज की नींव है और इसको मजबूत बनाने के लिए आप सभी को शत-प्रतिशत बच्चों की अटेंडेंस विद्यालय में सुनिश्चित करानी होगी। विद्यालयों में समय से प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाए और शिक्षण कार्य समय सारणी के अनुसार संचालित हो। उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी का उद्देश्य है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किया जाए उसके लिए आप सभी प्रतिबद्ध हैं। मेरी तरफ से किसी भी शिक्षक को कोई समस्या नहीं होगी मेरे स्तर से किसी भी शिक्षक का अस्थाई वेतन नहीं रोका जाएगा। महिला शिक्षकों की सीसीएल खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जो प्रेषित होकर आएंगी उनको तत्काल स्वीकृत किया जाएगा। इसके लिए आपको किसी से कोई सिफारिश करवाने की आवश्यकता नहीं है। जिन छात्र छात्राओं के आधार अभी नहीं बने प्रधानाध्यापक उन बच्चों के आधार बनवाकर डीबीटी का कार्य पूर्ण करें। बीएसए ने उपस्थित शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों से शिक्षकों की समस्याओं के संबंध में चर्चा की।

जालसाज ने वकील से ठगे नौ केडीए की कालोनी दिलाने का दिया था झांसा

थमाया फर्जी आवंटन पत्र, खुलासे पर उड़े होश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चकेरी थानाक्षेत्र के श्याम नगर के रामपुरम इलाके में केडीए की कालोनी दिलाने का झांसा देकर एक जालसाज ने अधिवक्ता से नौ लाख रुपये हड़प लिए। उसे फर्जी आवंटन पत्र दे दिया लेकिन जब रजिस्ट्री कराने से पहले केडीए में दस्तावेज दिखाए तो सब फर्जीवाड़ा खुलकर सामने आ गए। जिससे उनके होश उड़ गए। पीड़ित ने डीसीपी पूर्वी से मामले की शिकायत की। उनके आदेश पर चकेरी थाने में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई।

रामपुरम बी ब्लॉक निवासी अधिवक्ता रणवीर सिंह गौतम ने पुलिस को बताया कि श्याम नगर में 30 वर्ग मीटर की एक कालोनी को एक दोस्त के परिचित बर्रा चार निवासी शिवकरन ने उन्हें जून 2022 में दिखवाई थी जिसकी कीमत 15 लाख बताई थी। शिवकरन ने खुद को केडीए में लिपिक पद पर बताया था। उसने कहा था कि वह कालोनी का आवंटन उनके नाम पर केडीए से कराकर देगा।

उसके विश्वास में आकर नौ लाख रुपये ऑनलाइन भुगतान कर दिया था। जब वह रजिस्ट्री कराने की जानकारी के लिए दस्तावेज लेकर केडीए गए तो सभी आवंटन पत्र फर्जी बताया गया। इस पर शिवकरन से रुपये मांगे तो उसने अक्टूबर 2023 में आठ लाख की एक चेक और जून में एक लाख की एक बैंक की चेक दी, लेकिन उसने दोनों को बाउंस करा दी। फर्जीवाड़ा सामने आने पर पुलिस से शिकायत की गई। इस संबंध में चकेरी प्रभारी निरीक्षक अशोक दुबे ने बताया कि आरोपी की तलाश में टीम लगाई गई हैं।

डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन धड़ाम

कई मोहल्लों में सप्ताह में तीन दिन ही हो रहा कूड़ा उठान, सड़कों पर बजबजा रही गंदगी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर के कई वार्डों में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन योजना धड़ाम हो गई है। कई मोहल्लों में कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां नहीं पहुंच रही हैं। कई क्षेत्रों में दोपहर बाद घरों से कूड़ा लिया जा रहा है।

इससे परेशान लोग अपने समीपस्थ अड्डे पर कूड़ा फेंकने को मजबूर हैं। कई जगह तो सप्ताह में तीन दिन ही कूड़ा उठाए जाने से बरसात में गंदगी बजबजा रही है। इस हाल में जब कूड़ा उठाने का शुल्क लेने वाले कर्मचारी दरवाजे पर पहुंचते हैं तो विवाद हो रहे हैं। आईजीआरएस पोर्टल पर भी कूड़ा नहीं उठने और गंदगी की शिकायतें बढ़ रही हैं। सर्वेक्षण-2023 में कचरा मुक्त शहर के लिए कानपुर को भले ही थ्री स्टार रेटिंग मिली हो लेकिन, जमीनी हालात बदहाल हैं। शहर में सुबह 9 बजे से पहले सड़क से कूड़ा उठाने के दावे अधिकतर स्थानों पर हवा-हवाई हैं। महापौर की योद्धा टीम पहले ही खत्म हो चुकी है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी अमित सिंह गौर के मुताबिक अभी 90 वार्डों से डोर टू डोर कूड़ा उठान हो रही है। जल्दी ही

सभी 110 वार्डों से कूड़ा उठाने की व्यवस्था की जाएगी। हालांकि उनके दावों के इतर वार्डों में घरों से कूड़ा उठाने की व्यवस्था दम तोड़ रही है। क्षेत्रीय पार्षद समस्या नगर निगम अधिकारियों को बता चुके हैं। लेकिन कोई सुधार नहीं हो रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण की रैंकिंग में जगह बनाने के लिये छह हजार प्वाइंट की जरूरत होती है। अलग-अलग साफ सफाई को लेकर रेटिंग तय की जाती है। इसमें सबसे ज्यादा कचरा उठान की रेटिंग होती है, लेकिन कुछ वार्डों में लचर काम और आईजीआरएस पर आने वाली शिकायतों का निस्तारण नहीं होने से शहर की रैंकिंग पर फर्क पड़ रहा है। स्वच्छता रैंकिंग में कूड़ा गाड़ियां, गीला-सूखा कचरा उठान, दो डस्टबीन का प्रयोग भी देखा जाता है। सप्ताह में तीन दिन तो डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाले नहीं आते हैं। इससे लोगों को घरों का कूड़ा सड़क पर आ जाता है। - लियाकत अली, पार्षद, वार्ड 71- चमनगंज घर से कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां समय पर नहीं आती हैं। शनिवार और रविवार को तो आती ही नहीं हैं। इससे लोगों को बड़ी समस्या हो रही है।

मेयर के निर्देशों के बाद भी अवैध स्टैंड संचालित

- घंटाघर रेलवे स्टेशन के आसपास अभी भी लगाये जा रहे हैं अवैध स्टैंड
- स्थानी ट्रैफिक पुलिस सिर्फ वसूली में जुटी
- पब्लिक का फोन नहीं उठाती हैं डीसीपी आरती

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मेयर प्रमिला पांडेय के आदेश के बाद भी शहर भर में कई जगह अवैध स्टैंड संचालित हो रहे हैं। बीते दिनों नौबस्ता स्टैंड संचालक की गोलीमार कर हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद पुलिस आयुक्त ने कार्यवाही भी की और मामले में खूब हो हल्ला हुआ। उसके बाद मामले को शहर की मेयर ने भी संज्ञान लिया।

बीते दिनों मेयर प्रमिला पांडेय ने डीसीपी यातायात आरती सिंह को तलब भी किया। शहर भर में चल रहे स्टैंडो की बात स्पष्ट भी किया। मेयर ने डीसीपी से कहा था कि नगर निगम से शहर में दो ही स्टैंड की अनुमति दी गई है और सारे स्टैंड अवैध है। जानकारी देते हुए ये भी स्पष्ट किया दो स्टैंड कौन कौन से हैं। उन्हों ने कहा अटल घाट और दुसरा नगर निगम मुख्यालय का है। मेयर प्रमिला पांडेय ने शहर के सारे स्टैंड पार्किंग और अवैध वसूली करने वाले स्टैंड माफियों पर कार्रवाई करने की बात कही लेकिन तीन दिन बीतने के बाद भी अधिकारियों के कान में जूं नहीं रेंगी। बताते चले शहर के व्यस्त चौराहों पर आज भी स्टैंड पार्किंग संचालित हो रही हैं। जैसे घंटाघर से रामा देवी गोविंद नगर, सुतरखान दूध मंडी, जगहों पर स्टैंड संचालित किए जा रहे हैं। क्षेत्रीय थानों की बात करें तो जैसे आंख बंद कर रखी है। वहीं बात करे तो घंटाघर चौराहे की तो अतिक्रमण मुक्त के लिए ठेलों खुमचो को स्थानीय पुलिस द्वारा हटाया गया है पर अवैध स्टैंड पर मेहरबानी साफ दिख रही है। इस मामले में डीसीपी ट्रैफिक आरती सिंह के सीयूजी मोबाइल नंबर पर कई बार फोन किया गया लेकिन फोन रिसीव नहीं किया। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि डीसीपी मैडम किसी का भी फोन रिसीव नहीं करती हैं। इसकी वजह से कोई सूचना नहीं दे सकते हैं।

कुशाग्र हत्याकांड में हत्यारोपी प्रभात के चाचा पर एफआईआर

कोर्ट में जान से मारने की दी थी धमकी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रायपुरवा थानाक्षेत्र में आचार्य नगर के चर्चित कुशाग्र हत्याकांड मामले में नया मोड़ आ गया है। चार दिन पूर्व मुकदमे में मुख्य आरोपी प्रभात शुक्ला के चाचा ने कुशाग्र के चाचा को कचहरी में जान से मारने की धमकी दी थी। जिसके बाद एडिशनल सीपी से मामले की शिकायत करने के बाद जांच एडीसीपी विजिलेंस को सौंप गई थी। इस मामले में कुशाग्र के चाचा ने हत्यारोपी प्रभात के चाचा रामू शुक्ला के खिलाफ धमकी की रिपोर्ट दर्ज करा कर पुलिस से सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। कोतवाली पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

आचार्य नगर निवासी कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया के बेटे कुशाग्र कनोडिया की पिछले वर्ष 30 अक्टूबर को उसे घर में ट्यूशन पढ़ाने आने वाली ट्यूटर रचिता वत्स ने अपने प्रेमी प्रभात शुक्ला और उसके दोस्त शिवा के साथ मिलकर अपहरण कर मौत के घाट उत्तार दिया था।

हत्यारोपियों ने परिजनों से हत्या के बाद फिरौती भी मांगी थी, लेकिन फिरौती का पत्र घर में डालते समय अपार्टमेन्ट के चालक ने ट्यूटर की स्कूटी पहचान ली, जिसके बाद पुलिस ने वारदात का खुलासा करते हुए टयूटर, उसके प्रेमी और प्रेमी के दोस्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

इस मामले में कुशाग्र की तरफ से मामले की पैरवी उसके चाचा लखनऊ निवासी सुमित कनोडिया कर रहे हैं। सुमित कनोडिया ने एडिशनल सीपी कानून व्यवस्था हरीश चंदर से बताया था कि सोमवार को एडीजे (सप्तम) त्रिपुरारी मिश्रा की कोर्ट में उनके चाचा संजय कनोडिया की गवाही थी।

इसकी पैरवी के लिए वह अपने बड़े भाई मनीष के साथ कोर्ट पहुंचे थे। भीतर संजय की कोर्ट में गवाही चल रही थी। उस दौरान वह और उनके बड़े भाई कुशाग्र के पिता मनीष कनोडिया कोर्ट के बाहर खड़े थे। उसी दौरान हत्याकांड के मास्टरमाइंड प्रभात के चाचा रामू शुक्ला पांचवी मंजिल में किसी से फोन पर बात करते हुए कह रहे थे कि तुम परेशान न हो।

तुम मेरे ऊपर से अपना हाथ न हटाना, हम सबको निपटा देंगे। इसके बाद फोन बंद करने के बाद बेवजह गालीगलौज शुरू कर दिया। इसका करने पर रामू उग्र होते हुए देख लेने की धमकी दी थी। मामले की जांच के बाद कोतवाली पुलिस ने हत्यारोपी के चाचा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है। पिता और चाचा का साफ कहना था कि वह लोग अभी तक कुशाग्र के उस दर्द से उबरा तक नहीं पाएं हैं।

लेकिन मास्टरमाइंड प्रभात के चाचा और पिता धमकियां दे रहे हैं। इस संबंध में कोतवाली इंस्पेक्टर संतोष शुक्ला ने बताया कि हत्यारोपी प्रभात शुक्ला के चाचा रामू शुक्ला पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। उन्होंने सुरक्षा की मांग की है, जिस पर आलाधिकारियों से वार्ता की जा रही है।

सूने घर में घुसे चोर, ढाई लाख की टोटी चुरा ले गए

कल्याणपुर थानाक्षेत्र की घटना, पुलिस कर रही मामले की जांच

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कल्याणपुर थानाक्षेत्र से चोरी की एक अजब गजब घटना सामने आई है। यहां एक बंद पड़े घर को निशना बनाकर चोरों ने बाथरूम और घर के अंदर लगी ढाई लाख रुपये की टोटी चुरा ली और फरार हो गए। हैरत की बात तो यह है, कि में चोरों ने ना ही तो कोई अन्य सामान चुराया। घटना की जानकारी मकान मालिक को मिली तो पीड़ित ने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

लखनपुर अवधपुरी रोड निवासी हरीशंकर यादव ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया है कि जीटीरोड से कुछ दूरी पर उन्होंने एक मकान का निर्माण एक माह पूर्व करवाया था। मकान उनकी पत्नी कुमुद यादव के नाम पर है। मकान का निर्माण पूरा करने के बाद से वह नवनिर्मित मकान में गए नहीं थी।

शुक्रवार को उनका बेटा नवनिर्मित मकान को देखने के लिए वह पर गया तो उसने देखा कि उसके घर का दरवाजा बाहर से तोड़ दिया गया है। जब वह मकान के अंदर गया तो उसने देखा कि घर के अंदर रखा अन्य सामान तो सुरक्षित था। लेकिन सभी कमरों के बाथरूम के दरवाजे खुले थे और बाथरूम के अंदर के सभी टोटियां चोरी हो गई थी।

जिसकी जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचा और आसपास के लोगों से पूछताछ की पर कोई भी जानकारी मिल नहीं सकी। हरीशंकर यादव ने बताया कि मकान में वह परिवार के साथ जल्द ही रहने आने वाले थे। जिसके चलते उन्होंने घर को पूर्ण सुविधायुक्त बनवाया था और लगभग पूरे घर व बाथरूम में लगभग ढाई लाख रुपए की टोटियां भी लगवाई थी। इस संबंध में थाना प्रभारी कल्याणपुर ने बताया कि तहरीर मिली है मामले की जांच की जा रही है।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

समाज का साथी

कानपुर। सेन पश्चिमपारा थानाक्षेत्र के दीनदयालपुर केडीए कालोनी में शनिवार सुबह महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के वक्त पूरा परिवार छत पर सो रहा था। नीचे उतरकर आने पर परिजनों ने शव को फंदे से लटका मिला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। भाई ने दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।।

दीनदयालपुर केडीए कालोनी निवासी आरके शुक्ला के पेंटर बेटे हरिओम का विवाह वर्ष 2022 में महाराजपुर धमना की 22 वर्षीय दीक्षा से हुआ था। शुक्रवार रात पूरा परिवार छत पर सो रहा था। शनिवार तड़के दीक्षा आठ माह के बेटे को लेकर नीचे आ गई।

दीक्षा ने बेटे को बेड पर सुलाने के बाद पंखे के कुंडे से दुपट्टे के फंदे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कुछ देर बाद नीचे आये पति ने दरवाजा खटकाया तो कोई उत्तर नहीं मिला। जिस पर उन्होंने खिड़की से देखा कि दीक्षा का शव फंदे पर लटक रहा है।

शौकत अली पहलवान की संपत्तियों पर प्रशासन की निगाहें टेढ़ी

78 लाख की संपत्ति कुर्क, इरफान सोलंकी से ये है कनेक्शन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार पुलिस कमिश्नरेट अभियान चला रही है। जिसके तहत पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार के आदेश के बाद गैंगस्टर एक्ट के तहत चार आरोपियों की सिविल लाइंस, अरौल, चौबेपुर, महाराजपुर में संपत्ति को जब्तीकरण की कार्रवाई की गई है। जिससे हड़कंप मचा रहा।

हालांकि, बड़ी कार्रवाई गैंगस्टर शौकत अली पहलवान के खिलाफ की गई। जिसकी 78 लाख से ज्यादा की संपत्ति कुर्क की गई है। वहीं तीन गौ तस्करों के आरोपियों के वाहन जब्त किए गए।

सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी गैंग के सदस्य गैंगस्टर शौकत अली पहलवान की भी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कमिश्नरेट पुलिस के अनुसार सूटरगंज निवासी शौकत का थाना जाजमऊ पर वाद संख्या 01/2024 धारा 14 (1) सम्पत्ति जब्तीकरण के तहत अभियोग पंजीकृत है, जिसमें 14/59 ए सिविल लाइन नगर क्षेत्रफल 1162.36 वर्ग मीटर भूखण्ड के भूतल पर निर्मित क्षेत्रफल 326.74 वर्ग मीटर की 78 लाख 18 हजार 247 रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है।

इसी प्रकार अरौल पुलिस ने मूलरूप से कानपुर देहात के खासबरा निवासी मोहम्मद साहिल का कंटेनर जब्त किया है। साहिल के खिलाफ जनवरी 2024 में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई थी। कुर्की की दायरा तिथि 8 फरवरी और 11 जुलाई को कुर्की की कार्रवाई की गई। वहीं फुलवारी शरीफ बिहार निवासी नौशाद आलम के खिलाफ चौबेपुर थाने में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई थी। इस मामले में एक ट्रक की कुर्की की गई है। हीरामनपुरवा बेकनगंज में रहने वाली मुमताज के खिलाफ जनवरी में महाराजपुर थाने में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था, इनकी एक स्कूटी कुर्क की गई है। इरफान के करीबी शौकत अली पहलवान की पूर्व में 30 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति को कमिश्नरेट पुलिस जब्त कर चुकी है। ये कार्रवाई ग्वालटोली, जाजमऊ में पूर्व में की जा चुकी है।

कांशीराम अस्पताल में बढ़े सांस रोगी

कानपुर। शहर में जगह-जगह हो रही खोदाई के कारण वायु प्रदूषण बढ़ने के कारण सांस रोगियों की संख्या भी बढ़ी है। इसके अलावा अधिक स्मोकिंग करने की वजह से युवाओं में सांस संबंधित समस्याएं बढ़ी है। सांस लेने में तकलीफ होने पर तमाम मरीज कांशीराम अस्पताल आते हैं, जिनकों जांच व इलाज के लिए मुरारी लाल चेस्ट अस्पताल भेजा जाता है, लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा। कांशीराम अस्पताल में ही उनकी ब्रोंकोस्कोपी होगी।

रामादेवी स्थित कांशीराम संयुक्त चिकित्सालय एवं ट्रामा सेंटर में आसपास क्षेत्र के साथ ही नौबस्ता, यशोदा नगर, श्याम नगर, घाटमपुर, साढ़, हमीरपुर, फतेहपुर समेत आदि क्षेत्र से मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इस वजह से यहां की ओपीडी तीन से चार सौ मरीजों की होती है, जिनमें 40 से 50 मरीज सांस रोग से संबंधित रहते हैं।

कानपुर में 40 साल बाद फिर बाहर आया सिख विरोधी दंगे का जिन्न

सिखों की मौत का सरकारी आंकड़ा बताया गलत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद पूरे देश में सिख विरोधी हिंसा फैली थी, जिसमें बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। यूपी सरकार के रिकार्ड में 127 मौतें दर्ज हैं, लेकिन श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन एवं पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह ने 1984 की घटना में कई नए तथ्य जोड़कर जांच, मुआवजा और मृतकों की संख्या को लेकर सरकार के सामने नई मुसीबत खड़ी कर दी है। पूर्व एमएलसी ने इस बाबत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है।

पूर्व एमएलसी का कहना है कि केंद्र सरकार से उत्तर प्रदेश सरकार तक सिख दंगा पीड़ितों के पक्ष में कोई नहीं खड़ा है।

जस्टिस रंगनाथ मिश्रा आयोग ने घटना की जांच के बाद अपनी रिपोर्ट में कहा था कि यूपी में 127 सिखों की दंगे में जान गई जबकि आरटीआई के माध्यम से मरने वालों की संख्या 141 दी गई है। इसी वजह यह है कि ट्रेन, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे पर जो लोग मारे गए, उनकी कोई गिनती ही नहीं हुई।

श्री गुरु सिंह सभा कानपुर के चेयरमैन सरदार कुलदीप सिंह ने कहा कि तमाम ऐसे सिख समाज के लोग हैं जिनके परिवार के लोगों को ट्रेन, बस में मार दिया गया। जब उनके परिजनों ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराने की कोशिश की तो थाने से कहा गया कि 8 साल इंतजार करिए, यदि 8 साल तक नहीं आते हैं तो कार्रवाई होगी। उनका दावा है कि दर्जनों लोग ऐसे हैं जिनका आजतक कुछ पता नहीं है।

13 सितंबर 2017 को यूपी के प्रमुख सचिव ने हाईकोर्ट को हलफनामा सौंपा था कि यूपी में 1984 के दंगे में 204 लोगों को 6 करोड़ 65 लाख रुपये मुआवजा दिया गया है। दंगे में घायल 7 सिखों को 12 लाख, 19 हजार रुपये आवंटित किया गया। पलायन करने वाले 58 सिख परिवारों को 3695 हजार रुपये बांटे गए। संपत्ति नुकसान के लिए 9424 पीड़ितों को 18 करोड़, 50 लाख दिए गए।

सरदार कुलदीप सिंह ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान व अन्य मुस्लिम देशों से गैर मुस्लिमों को भारत लाने के लिए कानून में बदलाव किया गया है, लेकिन 1984 में कितने ही सिख परिवार भय के कारण पलायन कर गए, ऐसे में पहले उन सिख परिवारों का पुनर्वास करें, उसके बाद दूसरे देशों के लोगों को भारत में नागरिकता दें।

पार्टी बैठक में न पहुंचने पर जिलाध्यक्ष के बयान पर गुस्साए विधायक, कहा- मुझे नोटिस देने की हैसियत नहीं

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सपा के महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद के बयान को लेकर आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। शनिवार को महानगर कार्यकारिणी की मासिक बैठक में अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन के कार्यक्रम और बैठकों में न आने वालों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। यह बात विधायक को पता चलने पर उन्होंने कहा कि अध्यक्ष की हैसियत नहीं कि उन्हें नोटिस दें।

इसी को लेकर संगठन में माहौल गर्मा गया। सोशल मीडिया पर भी यह खबर वायरल हो गई। विधायक बाजपेई का कहना था कि महानगर अध्यक्ष उसी को नोटिस दे सकते हैं, जिन्हें वे मनोनीत करते हैं। इस संबंध में महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि उन्होंने विधायक के लिए कुछ कहा ही नहीं। महानगर इकाई के पदाधिकारियों और पार्षदों के संबंध में यह बात कही गई थी कि जो पार्टी के कार्यक्रमों में नहीं आते, उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा।

कानपुर में पहली बार भूमिगत ट्रैक पर दौड़ी मेट्रो, नयागंज तक पहुंचने में लगेंगे 25 मिनट

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर शहर में पहली बार शुक्रवार को भूमिगत मेट्रो ट्रैक पर चुन्नीगंज से नयागंज स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन दौड़ी। मोतीझील मेट्रो स्टेशन से करीब पांच किलोमीटर दूर चार भूमिगत स्टेशनों को पार करते हुए नयागंज स्टेशन तक गई और फिर वापस हुई। इस दौरान जगह-जगह ट्रेन रोककर ट्रैक, सिग्नल, थर्ड रेल से विद्युत आपूर्ति आदि की जांच की गई। अधिकारियों ने पहला ट्रायल पूरी तरह सफल बताया गया।

करीब एक महीने तक धीरे-धीरे ट्रेन की रफ्तार बढ़ाकर ट्रायल किया जाएगा, तब तक कानपुर सेंट्रल भूमिगत स्टेशन तक भी कार्य पूरा कर यहां तक ट्रायल की कोशिश की जा रही है। इसके बाद रेलवे संरक्षा आयुक्त की हरी झंडी लेकर शहरवासियों को नवंबर से इसकी सुविधा देने की तैयारी है।

उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ढाई साल से आईआईटी से नौ किलोमीटर दूर मोतीझील तक नौ एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों के बीच ट्रेनों का संचालन कर रहा है। शुक्रवार दोपहर करीब 2:00 बजे मोतीझील से आगे बृजेंद्र स्वरूप पार्क होते हुए मकरावटगंज तक बने एलिवेटेड सेक्शन और वहां से भूमिगत सेक्शन में पहली बार मेट्रो चली। दो किलोमीटर प्रति घंटा की गति से ट्रेन चुन्नीगंज भूमिगत स्टेशन पहुंची। इसके बाद नवीन मार्केट, बड़ा चौराहा भूमिगत स्टेशन होते हुए ट्रेन नयागंज भूमिगत स्टेशन शाम को पहुंची। यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार, निदेशक (वर्क्स एंड इंफ्रास्टक्चर) सीपी सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में ट्रेन को रोक-रोककर चलाया गया। कुछ देर रुकने के बाद ट्रेन ने वापसी का सफर पूरा किया। इससे पहले यूपीएमआरसी के एमडी ने ट्रॉली से नयागंज से मोतीझील तक अप-लाइन पर बने ट्रैक का निरीक्षण किया। ट्रैक टेस्टिंग के दौरान मेट्रो की तकनीकी टीम के सभी अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। ट्रैक में थर्ड लाइन और सिग्नलिंग का काम भी पूरा कर लिया गया है। आईआईटी से नयागंज के बीच नौ सिग्नल लगाए गए हैं। ट्रैक की टेस्टिंग के दौरान सभी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा गया।

नयागंज तक पहुंचने में लगेंगे 25 मिनट

मेट्रो अधिकारियों के मुताबिक अभी आईआईटी से मोतीझील स्टेशन तक आने में करीब 15 मिनट लगते हैं। यह ट्रायल पूरा होने के बाद आईआईटी से नयागंज स्टेशन तक आने में करीब 22 से 25 मिनट लगेंगे।

मेट्रो ने विभिन्न चुनौतियों को पार करते हुए शहर के इतिहास में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। हमारा भूमिगत मेट्रो रूट शहर के सबसे व्यस्त इलाकों के नीचे से गुजरता है, जिससे शहर के अंदर यात्रा बहुत सुगम और सुविधाजनक हो जाएगी। मेट्रो के टेस्ट रन के दौरान ट्रैक, पॉवर सप्लाई आदि को परखा गया। इससे प्राप्त डाटा का विश्लेषण किया जाएगा, जिससे परिचालन में मदद मिलेगी।

शुक्रवार को शुरुआती ट्रायल हुआ है। 20 दिन बाद फाइनल ट्रायल शुरू कर दिया जाएगा। भूमिगत मेट्रो स्टेशनों में फिनिशिंग कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। अगस्त तक इन चारों भूमिगत मेट्रो स्टेशनों में सभी कार्य पूरे कर लिए जाएंगे।

सख्ती: लाल इमली में अफसरों के कार्यक्षेत्र में बदलाव, एक ने दिया इस्तीफा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। लाल इमली कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने बताया कि अफसरों के कार्यक्षेत्र बदलने में अनुभव को नहीं देखा गया। मिल में हुए वेतन घोटाले की सीबीआई जांच कराई जाए। एफआईआर दर्ज कराकर रुपयों की रिकवरी की जाए। मार्च 2025 तक के वेतन भुगतान के लिए बजट मांगा गया है।

कानपुर की लाल इमली मिल में हुए वेतन घोटाले के बाद बीआईसी ने अफसरों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है।

इससे नाराज एक अफसर ने इस्तीफा भी दे दिया। कई और अधिकारी भी इस्तीफा दे सकते हैं। सुरक्षा, एकाउंट, वित्त और वेज विभाग के अफसर इधर से उधर किए गए हैं। वहीं, जांच में पता चला है कि आरोपी अफसर के रिश्तेदार उसके साले और साली हैं। इनके खाते में रकम भेजी गई। वहीं, घोटाला सामने आने के बाद अगले सप्ताह बीआईसी के शीर्ष अधिकारी शहर आ रहे हैं। लाल इमली मिल में हुए 23 लाख के वेतन घोटाले की प्रारंभिक जांच में चार अफसर दोषी पाए गए हैं। बीआईसी ने विभागाध्यक्ष वित्त राखी सेठी, लाल इमली मिल इंचार्ज बीके मौर्या, अकाउंट अफसर विनय मिश्रा, धनराशि स्वीकृत करने वाले अधिकारी मनोज शुक्ला को दोषी मानते हुए चार्जशीट दी है। बंदी के मुहाने पर खड़ी लाल इमली मिल में 52 लाख रुपये का घोटाला किया गया। 23 लाख के वेतन घोटाले के अलावा डैमेज शुल्क में 29 लाख रुपये की गड़बड़ी मिली थी। जांच में पता चला था कि दिनेश कुमार, रामआसरे और सुनैना देवी नाम के व्यक्तियों के खातों में सात से साढ़े आठ लाख रुपये डाले गए थे। दिनेश कुमार और रामआसरे के खाते चंदौली के थे। जिस अधिकारी को चार्जशीट दी गई है, वो दिनेश, रामआसरे और सुनैना देवी का जीजा है। ये सभी खाते मार्च 2023 में खोले गए थे।

यूपीसीडा : डस्टबिन में फेंक दिए जाते योगी सरकार के शासनादेश

◀◀ तैनात अधिकारी मनमाने ढंग से चला रहे विभाग ◀◀ एक साल पहले हुए तबादले के बाद भी कर्मचारियों को नही किया गया रिलीव

◀◀ यूपीसीडा के कार्मिक विभाग में धांधली चरम पर

◀◀ बीपीएस न्यूज

कानपुर ।कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के अधीन यूपीसीडा-उप्र औद्योगिक विकास प्राधिकरण के हाल खराब चल रहे हैं।

यहां पर सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश और आदेशों का पालन नहीं हो पा रहा है। कार्मिक विभाग के उच्चाधिकारी मनमाने ढंग से काम कर रहे हैं। इससे सीएम योगी आदित्यनाथ की छवि पर बटटा लगाया जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के साफ निर्देश हैं कि विभागों और मुख्यालयों में एक सीट पर सालों से कोई तैनात नहीं रहेगा।

इसके लिए हर साल तबादला सत्र घोषित करके तबादले होते हैं। अब यूपीसीडा में कर्मचारी और अधिकारी अपनी सेटिंग के दम पर खेल बैठाए हुए हैं। जितना चढावा दोगे उतनी अच्छी पोस्टिंग और मनमानी करने की छूट दी जाएगी। यहां पर तबादला तो कई हुए लेकिन रिलीव करने में खेल किया गया।

सबसे पहले बीते साल तबादलों पर नजर डालते हैं। कानपुर मुख्यालय में निर्माण खंड-8 में तैनात उप प्रबंधक सिविल बीबी सिंह का तबादला गीडा यानी गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण किया गया लेकिन आजतक वह वहीं जमे हुए हैं। इसी तरह से सहायक प्रबंधक सिविल सतीश चैधरी का पिछले साल नोएडा तबादला किया गया लेकिन वह भी नहीं गए।

यही नहीं, आरएम केएन श्रीवास्तव का तबादला पहले यीडा फिर एक साल बाद गीडा किया गया लेकिन वह भी रिलीव नहीं हुए। वर्तमान समय में कानपुर मुख्यालय में तैनात हैं।

अब नया नाम है कनिष्ठ लिपिक विजय भान सिंह का। इनकी नियुक्ति कानपुर में ही हुई थी। पिछले 10 सालों से अधिक समय से यहीं तैनात हैं। कुछ वर्ष पूर्व झांसी तबादला हुआ था लेकिन इसके बाद भी वह नहीं गए। अटैच होकर काम करते रहे। अब उनका प्रशासनिक आधार पर भू अध्याप्ति अनुभाग में किया गया लेकिन एक सप्ताह बीतने के बाद भी नहीं गए। इस तरह से लिपिक और अन्य कर्मी जमे हुए हैं जिनका सालों से तबादला ही नहीं किया गया। यूपीसीडा के अपर मुख्य कार्यपालन अस्मिता लाल से इस संदर्भ में फोन से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन कॉल रिसीव नहीं की।

करीब 3 साल से यूपीसीडा में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तैनात पीसीएस रिजवाना शाहिद की भूमिका संदिग्ध है। वह एक वर्ग विशेष लोगों को संरक्षण दे रही हैं और सरकारी निर्देशों का पालन भी नहीं करती हैं। कई कार्मिकों से मिलीभगत के आरोप भी लगे। कई कर्मियों ने मौखिक रूप से बताया कि रिजवाना शाहिद मनमाने ढंग से दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। जब इस संबंध में उनके मोबाइल नंबर पर फोन किए गए लेकिन उन्होने कोई रेसपांस नहीं दिया।

4 आईएएस तैनात फिर भी नहीं दिखता असर

यूपीसीडा में वर्तमान समय में 4 आईएएस अधिकारियों की तैनाती है।

शादी में कितने उपहार, परिजनों को देनी होगी लिस्ट

डीएम ने जारी किया आदेश, विवाह स्थलों पर अब बोर्ड लगाना अनिवार्य

◀◀ बीपीएस न्यूज

कानपुर । दहेज प्रतिषेध अधिनियम (को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। डीएम राकेश कुमार सिंह ने आदेश जारी कर निर्देश दिए हैं कि शहर के सभी गेस्ट हाउस समेत विवाह कार्यक्रम स्थल पर जिला दहेज प्रतिषेध अधिकारी का नाम और मोबाइल नंबर लिखा बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी जयदीप सिंह ने बताया कि दहेज प्रतिषेध अधिनियम -1961 की धारा-10 के तहत अब मैरिज हॉल, होटलों, बारात घर, गेस्ट हाउस समेत उन सभी जगहों पर बोर्ड लगाना अनिवार्य है, जहां विवाह कार्यक्रम संपन्न हो रह है। एक माह में वर और वधू पक्ष को शादी में मिले गिफ्ट की सूची विभाग को उपलब्ध करानी होगी। इससे भविष्य में होने वाले विवादों में निपटारा करने में आसानी होगी साथ ही दहेज प्रथा पर भी रोक लगेगी।

डीएम ने जानकारी देते हुए बताया कि सखी-वन स्टॉप सेंटर और अन्य सामाजिक संगठनों के माध्यम से दहेज अधिनियम का प्रचार व प्रसार भी कराया जाएगा। दहेज लेना और देना दोनों अपराध की श्रेणी में आते हैं, इसकी भी जानकारी देनी होगी। शहर में इस एक्ट को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए गेस्ट हाउस संचालकों से भी पूछताछ की जा सकती है। गेस्ट हाउस में किसकी शादी हुई, इसकी पूरी जानकारी रखनी होगी। वहीं शादियों के सीजन में विशेष निगाह शादियों पर भी रखी जाएगी।

वसूली मांगने के विडियो वायरल होने के बाद संग्रह अमीन बर्खास्त

कानपुर । वसूली के मामले में निलंबित चल रहे संग्रह अमीन सहकारिता महावीर प्रसाद मिश्रा को मंगलवार को जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बर्खास्त कर दिया। बता दें कि संग्रह अमीन महावीर प्रसाद राजस्व वसूली करते थे। करीब तीन माह पहले किसी मामले में उन पर वसूली का आरोप लगा था। इस मामले में वीडियो वायरल होने और शिकायत पर एसडीएम सदर प्रखर कुमार सिंह ने मामले में जांच के बाद अमीन को निलंबित कर दिया था। मामले में जांच चल रही थी और तब से संग्रह अमीन निलंबित थे। जांच रिपोर्ट मिलने पर जिलाधिकारी ने दोषी संग्रह अमीन को मंगलवार को बर्खास्त कर दिया।

साढ़े 8 करोड़ रुपये से होगा 11 सड़कों का निर्माण

किदवई नगर चौराहे से बारादेवी सड़क की होगी मरम्मत

◀◀ बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रदेश सरकार ने पिछले वित्तीय वर्ष में कानपुर मंडल में चल रही 35 कार्य योजनाओं के लिए 11.18 करोड़ से अधिक की धनराशि वित्तीय वर्ष 2024-25 में आवंटित की है,

जिसमें शहर के नगरीय, ग्रामीण क्षेत्रों की कुल 11 सड़कों की मरम्मत व नवीनीकरण के लिए कुल 851.92 लाख की धनराशि आवंटित की गई है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के मरम्मत व नवीनीकरण के लिए 11 सड़कों को कार्ययोजना में शामिल किया गया था। जिनमें पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड की साढ़-सरसौल मार्ग से बांबी ख्वाजीमपुर मार्ग की मरम्मत, चौबेपुर बेला रोड का निर्माण, लखनऊ-झांसी मार्ग, असेनिया, बहौर उमरी संपर्क मार्ग, विजय नगर चौराहा से मरियमपुर चौराहा, पुखरायां-घाटमपुर-बिंदकी, सरसौल-सैबसी महाराजपुर, चंदनपुर भीतरगांव, धरमपुर बंबा मार्ग शामिल थे।

वहीं निर्माण खंड दो में बिधनू से किसान नगर मार्ग की सामान्य मरम्मत व नवीनीकरण का कार्य कराया जाना था। शासन से प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के साथ ही धनराशि अवमुक्त की गई थी, जिसके बाद निर्माण शुरू कराया गया था। मंगलवार को शासन ने शहर की 11 सड़कों के मरम्मत व नवीनीकरण के लिए 851.92 लाख की धनराशि आवंटित की है।

9 नंबर क्रासिंग से एनएच-2 जाने वाली सड़क

अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार ने बताया कि जीटी रोड स्थित गुमटी नौ नंबर क्रासिंग से नमक फैक्ट्री, विजय नगर चौराहा, दादा नगर पुल होते हुए एनएच-2 हाईवे तक की सड़क का 60.66 लाख से निर्माण कराया जाएगा। जबकि किदवई नगर चौराहे से साइट नंबर वन, बारादेवी होते हुए नंदलाल चौराहे जाने वाले मार्ग की मरम्मत 6.29 लाख से होगी।

प्रांतीय खंड व निर्माण खंड की इकाईयों से पिछले वित्तीय वर्ष में 11 सड़कों पर मरम्मत व नवीनीकरण का कार्यकिया जा रहा था। वर्ष 2024-25 के वित्तीय वर्ष में शहर समेत कानपुर मंडल के लिए 11.18 करोड़ की धनराशि शासन की ओर से मुहैया कराई गई है, जिनमें शहर की 11 सड़कों के लिए 851.92 लाख की धनराशि आवंटित की गई है - **अनिल कुमार, अधीक्षण अभियंता, पीडब्ल्यूडी**

श्यामा तुलसी के पौधे में ढूंढा डायबिटीज का इलाज

जीएसवीएम कॉलेज कानपुर के फारमेसी प्रो. डॉ. अजय कुमार शर्मा के शोध को बेस्ट पेपर आवार्ड से किया गया सम्मानित जीएसवीएम कॉलेज में इस सफलता पर हर्ष का माहौल

◀◀ बीपीएस न्यूज

कानपुर। पूरी दुनिया डायबिटीज से परेशान है, लेकिन भारत के घर-घर में गली-गली में हर बगीचे, जंगल, खेतों में मौजूद तुलसी के पौधे में डायबिटीज का इलाज छुपा हुआ है।जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज कानपुर के फारमेसी प्रो. डॉ. अजय कुमार शर्मा के शोध को बेस्ट पेपर आवार्ड से सम्मानित किया गया और जल्द ही इसका पेटेंट भी कराया जायेगा। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में इस सफलता पर हर्ष का माहौल है।तुलसी पौधे में डायबिटीज का इलाज है, जिसके कारण फार्मेसी विभाग के प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार शर्मा के शोध पत्र को इंडियन फार्मास्युटिकल कांग्रेस के 73वें अधिवेशन मे 6 जुलाई 2024 को हैदाराबाद में बेस्ट पेपर आवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान पत्र में 10 हजार रुपए उपहार स्वरूप दिए गए। इस शोध में डॉ. राजेश कुमार जोशी (वैज्ञानी आईसीएमआर) डॉ. अजय कुमार शर्मा का शोध पत्र, डिटरमिनेशन ऑफ सीजनल वेरिएशन ऑफ बोलेटाइल ऑगेनिक कॉनास्टिट्यूट ऑफ लीफ टेडिशनल ऑफ हर्बलस ओषिमम सेक्टम लिफ को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। तुलसी पौधे की दो वैरायटी में श्यामा तुलसी को लिया गया। भारत में बहुत-सी औषधियों को पेटेंट मिला हुआ है। हल्टी में भी कैंसर से लड़ने की क्षमता के गुण पाए गए है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज ने एक साल के अंदर 3 पेटेंट में सफलता पाई है। औषधियों के क्लीनिकल ट्रायल परीक्षण में डॉ. अजय कुमार शर्मा को आईसीएमआर के माध्यम से डी.एच.आर फैलोशिप अनुसंधान कार्य में अच्छे परिणाम के लिए दिया गया है। औषधीय पौधों को परीक्षण के उपरान्त डब्ल्यूएचओ के मानक अनुसार उनका स्टैंडडिजेशन में बायोलोजीकल केमिकल इवोल्यूशन एवं पादप औषधियों के महत्वपूर्ण घटकों का गुणात्मक एवं मात्रात्मक परीक्षण लिए जाते है। वर्तमान में ड्रग एंड कास्मेटिक एक्ट के प्राविधानों में संशोधन कर औषधियों में पौधों के चिकित्सकीय गुणों के लिए औषधी के लिए चुना गया है ।

बच्चे की हुई सरकारी सिस्टम से मौत!

बिल्हौर में इलाज के दौरान बच्चे की मौत का मामला गर्म

आरोपी डॉक्टर टीबी विश्वास

जांच पड़ताल करती पुलिस

◀◀ बीपीएस न्यूज

बिल्हौर। कस्बे में जिस तरह से बच्चे की फुड़िया का इलाज करने के दौरान किये गए आपरेशन से बच्चे की मौत हो गई। उससे एक बार फिर से सरकारी सिस्टम सवालों के घेरे में आ गया है। सही मायने में कहा जाए तो यह बच्चे से अधिक सिस्टम की मौत है। जिसमे पीड़ित पक्ष से मिली तहरीर के आधार पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी अपनी-अपनी कार्रवाई करेंगे। लेकिन इसकी जाँच कोई नहीं करेगा कि आखिर बिल्हौर में सीएचसी के अलावा तमाम बढ़िया डॉक्टर मौजूद रहते हैं। इसके बावजूद इस बच्चे के माँ-बाप उसे साधारण डॉक्टर के यहाँ क्यों ले गए। पुलिस-प्रशासन की नाक के नीचे ऐसा डॉक्टर आखिर प्रैक्टिस कैसे कर रहा है।

बताते चलें कि बिल्हौर के अब्दुल कलाम आजाद नगर निवासी मनीष अपने ढाई साल के बेटे दिव्यांश की फुड़िया का इलाज कराने नगरपालिका रोड स्थित बंगाली डॉक्टर के यहाँ गया था।

पुलिस को दी गई तहरीर में मनीष ने बताया कि डॉक्टर ने कहा कि दवा से काम नहीं चलेगा। इसको दो मिनट में ऑपरेशन करके सही कर देंगे। तब उसने कहा कि इसकी गारंटी आप ले लीजिए तो मैं तैयार हूँ। जिस पर डॉक्टर ने कहा कि चिंता न करो ठीक हो जाएगा।

बताते हैं कि देखते ही देखते डॉक्टर ने 2-3 इंजेक्शन कमर के नीचे लापरवाही से लगा दिए।जिससे बच्चे की हालत बिगड़ने लगी। हालत बिगड़ने पर डॉक्टर के हाथ-पांव फूल गए और वह बोला कि अब इसे श्रीश हॉस्पिटल लेकर जाओ। जब वह बच्चे को लेकर अस्पताल पहुंचा तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत से आक्रोशित परिजनों ने डॉक्टर की क्लीनिक पर जमकर हंगामा और तोड़फोड़ की। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने बच्चे का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। साथ ही डीएम से डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराने के लिए लिखा है।

डीआरएम ने सेंट्रल स्टेशन का लिया जायजा

◀◀ बीपीएस न्यूज

कानपुर। यात्रियों को हो रही परेशानियों का निवारण करने स्टेशन पहुंचे प्रयागराज रेलवे मंडल प्रबंधक स्टेशन पर मेट्रो कार्य का जायजा लिया । सिटी साइड डिप्लोमेंट, मेट्रो कार्य से यात्रियों परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसका निरिक्षण उन्होंने बताया कि सेंट्रल स्टेशन पूरी तरह से परिवर्तित हो जाएगा। यात्रियों की किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। सिटी साइड की ओर मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में मॉल, कई तरह की दुकानें होंगी, जबकि पार्किंग का कार्य भी चल रहा है। उस तरफ रेलवे के कुछ कार्यालय और टिकट और आरक्षित टिकट सेंटर आ जाएंगे। सिटी साइड की ओर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। कॉनकोर्स निर्माण के लिए दोनों ओर के प्लेटफार्म पर सपोर्ट के लिए पोल लगेंगे। इस कॉनकोर्स पर यात्री ट्रेनों की प्रतीक्षा करेंगे। कुछ खामियां दिखने पर संबंधित को ज़रूरी दिशानिर्देश दिए वहीं पत्रकारों के सवाल पर बोले डीआरएम जब कोई बड़ा कार्य होता हैं तो बहुत सारी दिक्कतें आती हैं हम इस लिए बार बार निरीक्षण करने आते हैं की यात्रियों को कम से कम असुविधा हों और विकास कार्य भी चलता रहें बारिश की वजह से मेट्रो का कार्य कुछ लेट हों गया हैं जो जल्द ही पूरा होगा।

पुराने किले के आसपास इन जगहों के बारे में कितना जानते हैं आप

फरीदाबाद में पुराना किला घूमने के लिए सबसे बेस्ट जगह में से एक है। लेकिन इसके आसपास भी घूमने के लिए कई सारी जगहें हैं। जिनके बारे में शायद ही आपको पता होगा। आप संडे को इन जगहों पर अपने परिवार या दोस्तों के साथ घूमने के लिए आ सकते हैं। जैसा कि आप सभी जानते हैं हरियाणा का औद्योगिक केंद्र फरीदाबाद है। लेकिन ज़्या आप जानते हैं कि फरीदाबाद में एक ऐसी जगह भी मौजूद है जो अपने 500 साल पुराने एतिहासिक किले के लिए भी फेमस है। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए उस पुराने के किले के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आज भी दिल्ली एनसीआर की शान को अपने आप में समेटे खड़ा है। आज तक शायद आपने पुराने किले को ही सबसे ज्यादा देखा होगा। लेकिन ज़्या आप जानते हैं कि इसके आसपास कुछ ऐसी जगहें भी हैं जो देखने लायक हैं। आप अगली बार घूमने जाने के दौरान इन जगहों पर भी घूम सकते हैं।

राष्ट्रीय जूलॉजिकल पार्क

अगर आप भी पुराने किले के आसपास घूमने का प्लान बना रहे हैं तो राष्ट्रीय जूलॉजिकल पार्क लिस्ट में सबसे पहले नंबर पर आता है। साल 1959 में इस उद्यान को लोगों के लिए खोला गया था। बता दें कि इस चिड़ियाघर में पक्षियों और जानवरों की 130 प्रजातियां मौजूद हैं। जिनमें से जिराफ, ज़ेबरा, चिम्पांजी और मोर जैसे प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं। यहां पर संरक्षण कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। इन कार्यक्रमों को चिड़ियाघर द्वारा चलाया जाता है। पुराने किले में घूमने के बाद आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ राष्ट्रीय जूलॉजिकल पार्क घूमने आ सकते हैं।

राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र–सेंटर भैरों रोड पर राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र स्थित है। यह साल 1992 में स्थापित किया गया था। यहां पर जाने के लिए संडे का दिन सबसे बढ़िया होता है। बता दें कि यह एक एजुकेशनल प्लेस है। अगर आपको भी विज्ञान में रुचि है तो आपके लिए यह जगह सबसे बेस्ट है। यहां पर आपको विभिन्न प्रदर्शनी हॉल भी स्थित है। छात्रों के बीच वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए म्यूजियम को स्थापित किया गया है।

लाल किला–जैसा कि आप सभी जानते ही होंगे कि भारतीय इतिहास में लाल किले का अपना एक अलग इतिहास रहा है। साल 1639 में मुगल शासक शाहजहां ने इस किले का निर्माण करवाया था। आजादी के बाद पहली बार लाल किले से ही झंडा फहराया गया था। जिसके बाद से हर साल प्रधानमंत्री द्वारा यहां पर झंडा फहराया जाता है। लाल बलुआ पत्थर से निर्मित लाल किला अंदर और बाहर दोनों तरफ से बेहद खूबसूरत बना हुआ है। यहां पर भी आप अपने दोस्तों और परिवार के साथ घूमने के लिए आ सकते हैं।

लोधी गार्डन –दिल्ली के फेमस सिटी पार्क की लिस्ट में लोधी गार्डन का नाम शामिल है। 90 एकड़ में स्थित यह पार्क खान मार्केट और सफदरजंग के मकबरे के बीच स्थित है। इस परिसर में कई मकबरे बने हुए हैं। वहीं दिल्ली में रहने वाले लोग यहां पर मॉर्निंग वॉक के लिए भी आते हैं। आप भी बिना किसी संदेह के लोधी गार्डन विजिट कर सकते हैं।

इंडिया गेट –अखिल भारतीय युद्ध स्मारक के रूप में इंडिया गेट का निर्माण किया गया था। यह इंडिया गेट करीब 70 हजार सैनिकों की याद में बनवाया गया था। इस स्मारक को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग यहां पर सुबह–शाम पहुंचते हैं। इस गेट की संरचना के अलावा अमर जवान ज्योति इस जगह का मुख्य आकर्षण है। साल 1971 में भारत–पाकिस्तान युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की याद में इस गेट को बनवाया गया था। इंडिया गेट में आपको देश की राजधानी दिल्ली के गौरवशाली विरासत की झलक देखने को मिलेगी। यहां पर आप भी शाम के समय घूमने के लिए आ सकते हैं।

मानसून में इन हसीन जगहों को एक्सप्लोर करें पटना वाले, आएगा मजा

मानसून का सीजन पूरे देश में छाया हुआ है। इस मौसम में घूमने का अलग ही मजा होता है। पटना में रहने वाले लोग अपने परिवार, दोस्त या किसी महिला मित्र के साथ इन खूबसूरत जगहों पर जरुर जाएं।

बरसात के मौसम में घूमने का अलग ही मजा होता है। न गर्मी होती है ऊपर बारिश की बूंदे मन को सुकून देती है। अगर आप पटना के रहने वाले हैं और कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो यह आर्टिकल सिर्फ आपके लिए है। गंगा नदी के तट पर स्थित बिहार की राजधानी पटना प्राचीन विरासत की एक पृष्ठभूमि है। पटना शहर में भारत के प्रमुख और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों का घर भी बोला जाता है। इस लेख में हम आपको पटना के आसपास में स्थित कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। यहां आप अपने परिवार, दोस्त या किसी महिला मित्र के साथ घूमने जा सकते हैं।

राजगीर –पटना में घूमने के लिए इस मस्त जगह कोई हो नहीं सकती। राजगीर बेहद ही खूबसूरत जगहों में से एक है। बिहार के नालंदा जिले में स्थित राजगीर नेचर सफारी के लिए काफी सुंदर जगह है। राजगीर में ही बिहार का पहला ग्लास ब्रिज मौजूद है, यहां पर मानसून के मौसम में खूबसूरती के अद्भुत नजारा देखने को मिलते हैं। इसके साथ ही आप यहां विश्व शांति स्तूप, वेणु वन, गृद्धकूट शिखर और सप्तपर्णी गुफाएं जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

बोधगया– पटना के पास में ही स्थित है बोधगया, यह एक फेमस मानसून डेस्टिनेशन ही नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक और पवित्र नगरी भी है। बोधगया भगवान बुद्ध की बुद्ध की नगरी के नाम से भी जाना जाता है, इसलिए गौतम बुद्ध को इसी शहर में ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। दरअसल, फल्गु नदी के किनारे स्थित बोधगया मानसून में घूमने के लिए एक बेस्ट डेस्टिनेशन माना जाता है।

नवादा–नवादा बिहार का काफी प्रसिद्ध शहर है। नवादा शहर अपनी खूबसूरती के साथ–साथ कई ऐतिहासिक कारणों की वजह से बेहद सुंदर पर्यटन स्थल है। यहां मानसून में खूब बारिश होती है। इसलिए यह जगह सबसे बेहतरीन है। बता दें कि इस शहर में एक खूबसूरत ककोलत वॉटरफॉल सैलानियों को खूब पसंद आता है।

बेगूसराय –मानसून में घूमने के लिए बेगूसराय एक बढ़िया जगह है। बेगूसराय में स्थित कांवर झील सैलानियों को खूब आकर्षित करती है, क्योंकि मानसून में इस झील में कमल के फूल खिलते हैं। यहां आप कंवर झील अभयारण्य, बेगूसराय संग्रहालय, नौलखा मंदिर, जयमंगल गढ़ मंदिर और अजातशत्रु फोर्ट जैसे चर्चित स्थलों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

सिक्किम घूमने का बना रहे हैं प्लान तो इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर

देश की टॉप ट्रैवल डेस्टिनेशन्स में नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों का नाम गिना जाता है। नॉर्थ ईस्ट की ट्रिप प्लान करने वाले अधिकतर लोग सिक्किम घूमना नहीं भूलते हैं। वैसे तो सिकिम्म में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी सिक्किम घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को एक्सप्लोर करना न भूलें। इन खूबसूरत जगहों पर घूमने के बाद आपका वापस आने का दिल नहीं करेगा। हिमालय की गोद में बसा सिक्किम भले ही एक छोटा सा राज्य है। लेकिन यहां की खूबसूरत वादियों से लेकर नेचर की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको सिक्किम की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

त्सोमगो झील की सैर

अगर आप सिक्किम में किसी रोमांटिक जगह पर घूमना चाहते हैं तो त्सोमगो लेक आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। त्सोमगो लेक सिक्किम की राजधानी गंगटोक से महज 40 किलोमीटर दूर है। यह लेक 12,400 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस लेक को चांगु झील के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सर्दियों में यह लेक पूरी तरह से जम जाती है। वहीं बसंत ऋतु के मौके पर इस लेक की सुंदरता कई खूबसूरत फूलों से खिल उठती है।

जुलुक का दीदार

जुलुक का दीदार करने के लिए सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 3 घंटे का सफर तय करना होता है। इस दौरान रास्ते में 32 हेयरपिन मोड़ आपकी यात्रा को अधिक शानदार बना सकते हैं। वैसे तो जुलुक सिक्किम का एक छोटा सा और काफी खूबसूरत गांव है। लेकिन यहां से 11 फीट की ऊंचाई पर स्थित थुंबी व्यू प्वाइंट कंचनजंघा चोटी अपने खूबसूरत नजारों के लिए फेमस है। जुलुक की ट्रिप के दौरान कपुप लेक या हाथी झील का भी दीदार कर सकते हैं।

पेलिंग की ट्रिप

गंगटोक से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेलिंग भी घूमने के लिए बेस्ट जगह है।

इन देशों में कार-बाइक की जगह नावों में घूमते हैं लोग

जब हॉलिडे मनाने की बात आती है तो हम अनोखी डेस्टिनेशन पर जाना चाहते हैं। आपको बता दें कि दुनिया के इन शहरों में आपको कुछ नया एक्सपीरियंस करने को मिलेगा। बता दें कि इन जगहों पर सड़क नहीं है। बल्कि यहां पर लोग नाव से इधर-उधर जाते हैं।हनीमून पर जाना हो, या हॉलिडे मनाना हो, हर कोई चाहता है कि उनकी डेस्टिनेशन सुंदर और अनोखी होनी चाहिए।

सुझाऊ चीन का एक गांव है। इस गांव का अपना इतिहास रहा है। बता दें कि यहां के लोगों को नाव से चलना काफी पसंद है। इसलिए आपको यहां पर पेड़ों के आपसाप नहरों में ढेरों चलती हुई नाव देखने को मिलेंगी।

एनेसी–फ्रांस का एनेसी पानी पर बसा हुआ है। आपको यहां पर कुछ ही मीटर पर कई ब्रिज देखने को मिलेंगे। यहां पर नहर के किनारे काफी संख्या में रेस्तरां बने हैं। इन रेस्तरां में आप सुबह की चुस्कियां लेने के लिए पहुंच सकते हैं। बता दें कि यह जगह लार्ड एनेसी के नाम बनी हुई है।

वेनिस–वेनिस शहर की गिनती इटली के सबसे खूबसूरत शहरों में आता है। यह पूरा शहर पानी में बसा हुआ है। इस शहर को छोटे–छोटे आइसलैंड के साथ मिलकर बनाया है। अगर आप भी इटली घूमने जाएं तो एक बार गंडोला राइड का लुत्फ जरूर लें। यहां पर आपको एक भी सड़क नहीं दिखेगी।

गेनवी–अफ्रीका का छोटा गांव गेनवी अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। गेनवी की आजादी करीब 20 हजार के आसपास है। यह गांव नोकुई झील के बीच पर बसा है। यहां पर लोग नाव पर बैठकर बिजनेस करते हैं। घूमने के लिहाज से यह बेहतरीन जगह है।**स्टॉकहोम**–स्वीडन की राजधानी स्कॉटहोम भी एक खूबसूरत शहर है। यह 14 आइसलैंड पर बना है। बता दें कि स्कॉटलैंड में 50 से ज्यादा ब्रिज मौजूद हैं। झील के किनारे बना यह शहर अपनी नीली इमारतों के लिए भी जाना जाता है।

हिमाचल की खूबसूरत वादियों में अद्भुत जगह की जरूर करें सैर

हिमाचल प्रदेश की खूबसूरती से तो सभी वाकिफ हैं। हिमाचल प्रदेश की गोद में कई अद्भुत, खूबसूरत और अनसुनी जगहें मौजूद हैं। यहां की खूबसूरती में पर्यटक आसानी से खो जाते हैं। हिमाचल प्रदेश की यह जगहें भारतीय सैलानियों को जन्नत का एहसास कराते हैं। इसीलिए हर साल हिमाचल की हसीन पहाड़ों में देश और विदेश के पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ ऐसी ही जगह के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर घूमने के बाद आपका मन तृप्त हो उठेगा। हिमाचल की हसीन वादियों में एक ऐसी जगह मौजूद है जो कांगड़ा से भी अधिक मनमोहक है। जोगिंदर नगर में घूमने के लिहाज से बेहतरीन और मनमोहक जगह है।

वाराणसी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों पर जरुर जाएं

अगर आप भी वाराणसी जाने की सोच रहे हैं तो देर किस बात की। वाराणसी घूमने के साथ ही इन जगहों पर जरुर जाएं। बनारस में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। यहां प्रसिद्ध तीर्थ स्थल से लेकर कई पर्यटक स्थल मौजूद हैं। यहां पर मौजूद हैं कई फेमस जगह, जहां आप जाकर एक्सप्लोर कर सकते हैं।

हर एक हिंदू का सपना होता है कि वह एक बार वाराणसी जरुर जाएं। यहां प्रसिद्ध तीर्थ स्थल से लेकर कई पर्यटक स्थल मौजूद हैं। काशी के आस–पास भी कई जगहें, जो काफी फेमस हैं। अगर आप भी बनारस घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो वहां मौजूद आसपास की जगहों को जरुर एक्सप्लोर करें।

सरनाथ–बनारस घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप वाराणसी से 12 किमी दूर स्थित सारनाथ एक प्रसिद्ध बौद्ध तीर्थ स्थल है। इसी जगह पर गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था। यहां पर अशोक स्तंभ, स्तूप, म्यूजियम, तिब्बती मंदिर जैसी कई जगहे देखने लायक है।

चुनार का किला–वाराणसी से लगभग 40 किमी दूर स्थित चुनार का किला भी घूमने लायक है। मिर्जापुर जिले में गंगा किनारे बना ये किला 34 हजार वर्ग फीट में फैला है। इसे उज्जैन के राजा विक्रमादित्य ने इसका निर्माण कराया था।

लखनिया दरी–अगर आप वाराणसी घूमने जा रहे हैं, तो आप बनारस के करीब मिर्जापुर जिले में ही लखनिया दरी वॉटरफॉल को देख सकते है। यहां करीब 100 मीटर की ऊंचाई से नीचे गिरता पानी देखने में बहुत आकर्षित लगता है। यहां बड़ी संख्या में लोग पिकनिक मनाने आते हैं।

राजदरी और देवदरी–वाराणसी से एकदम करीब 70 किमी की दूरी पर राजदरी और देवदरी वॉटरफॉल है। यह चंदौली के नौगढ़ के जंगलों में स्थित है। यहां पहुंचने के लिए चंद्रपुर वन्य जीव अभ्यारण्य जाना पड़ता है।

मुक्खा वॉटरफॉल–अगर आप बनारस जा रहे हैं और आप वॉटरफॉल देखना चाहते हैं। तो आप वाराणसी से करीब 95 किमी दूर स्थित मुक्खा फॉल सोनभद्र जिले में स्थित है। दरअसल, यहां पर बेलन नदी का पानी करीब 50 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरता है।

काशी विश्वनाथ मंदिर–बनारस का सबसे प्रसिद्ध मंदिर हैं काशी विश्वनाथ। यहां पर लोग बड़ी संख्या में घूमने आते हैं। बता दें कि काशी विश्वनाथ मंदिर भी, 12 ज्योतिर्लिंगों में शामिल है। इसके अलावा आप बनारस में अस्सी घाट, मणिकर्णिका घाट और दशाश्वमेघ जैसे दर्शनीय घाट हैं, जहां बड़ी संख्या में लोग घूमने जाते हैं।

मुहर्रम जुलूस को लेकर तैयारियां तेज

कानपुर देहात। मुहर्रम के जुलूस की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को उपजिलाधिकारी तथा क्षेत्राधिकारी ने भारी पुलिस फोर्स के साथ डेरापुर कस्बे में पैदल गस्त कर कानून व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए।कानपुर देहात में मुहर्रम के मद्देनजर जिला प्रशासन व पुलिस दोनो पूरी तरह से सख्त तेवर में नजर आ रहा है।वह पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अड़चन को झेलने के मूड में नहीं है।इसी के चलते शुक्रवार को क्षेत्राधिकारी रविकांत गौड़,उपजिलाधिकारी नगर पालिका कर्मियों तथा भारी पुलिस फोर्स को साथ लेकर कस्बे में पैदल सड़क पर उतरे तथा कानून व्यवस्था का जायजा लिया।इस दौरान उन्होंने संवेदनशील तथा अतिसंवेदनशील स्थानों पर रुक रुक कर उसकी समीक्षा की साथ ही लोगों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।मौजूद लोगों से कहा कि सभी मुहर्रम का त्योहार शांतिपूर्ण व सद्भावपूर्ण तरीके से मनाएं व आपसी भाईचारा कायम रखें।शांतिपूर्ण तरीके से जुलूस का समापन करें।इस दौरान गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।इस मौके पर थाना प्रभारी अनिल कुमार सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

स्कूलों में पढ़ाई करने के बजाय धान रोपाई कर रहे नौनिहाल

बीपीएस न्यूज

उन्नाव। आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण अभिभावक बच्चों की शिक्षा से अधिक पेट पालने को तवज्जो दे रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षकों द्वारा नामांकन बढ़ाने की जद्दोजहद के बीच परिषदीय विद्यालयों खासकर उच्च प्राथमिक विद्यालयों से औसतन 50 फीसदी बच्चे अनुपस्थित हो रहे हैं। लाख कोशिशों के बाद भी अध्यापक सहित अन्य शिक्षण स्टाफ का अभिभावकों पर बस नहीं चल पा रहा है।बारिश शुरू होने के साथ धान उत्पादक इस जिले के ग्रामीण इलाकों में जगह-जगह खेतों में धान रोपाई करते महिला व पुरुष खेतिहर मजदूर दिखाई देते हैं। पुरवा सहित कई तहसील क्षेत्रों में बहुतायत से धान की खेती होती है। धान रोपाई के चलते कई परिषदीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या 50 फीसदी तक घट गई है। विद्यालयों में खासकर उच्च प्राथमिक विद्यालयों से गायब होने वालों में छात्रों की अपेक्षा छात्राओं की संख्या अधिक है, क्योंकि वह अभिभावकों के साथ जहां खेतों में रोपाई में हाथ बंटाती हैं वहीं घरेलू कामकाज निपटाने सहित घर के छोटे बच्चों को संभालने का जिम्मा इन छात्राओं के कंधे पर डाल दिया जाता है।

ड्रेस, स्वेटर, बैग व जूता-मोजा खरीदने के लिए शासन से डीबीटी के जरिए अभिभावकों के खातों में जाने वाले 1200 रुपए अन्य जरूरतें भी पूरी करते हैं। शिक्षकों ने कहा कि डीबीटी धनराशि का सही उपयोग कराने को दबाव बनाना शिक्षकों के लिए घातक हो सकता है। इसलिए अभिभावकों को समझाया ही जा सकता है।

प्राथमिक विद्यालय ब्रह्माडेरा व चटचटगन में डीएम ने लगाई चौपाल

बीपीएस न्यूज

बांदा। जिलाधिकारी ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों को बाढ़ राहत व दैवीय आपदा से बचाव के उपायों की जानकारी दी। कहा कि बचाव से बाढ़ व दैवीय आपदा में जनहानि काफी हद तक कम हो सकती है। उन्होंने ग्रामीणों को पशुओं का टीकाकरण और जीओ टैग करवाने की नसीहत दी। जिलाधिकारी नगेंद्र प्रताप की अध्यक्षता में बडोखर खुर्द ब्लाक अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय ब्रम्हाडेरा व प्राथमिक विद्यालय चक चटगन में बाढ राहत चौपाल आयोजित हुई। ग्रामीणों को चौपाल मेंबाढ़औरदैवीय आपदा, आकाशीय विद्युत गिरने एवं सर्पदंश से बचाव के उपायों की जानकारी दी। कहा कि बाढ़ आने पर घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थान, बाढ चौकियों में पहुंचने के लिए जागरूक करने के साथ बिजली चमकने के समय पेड के नीचे एकत्र न होने तथा पक्के घर के नीचे जाने की सलाह दी गयी। कहा कि पशुओं का टीकाकरण एवं जीओ टैग लगवाएं। सीडीओ वेद प्रकाश मौर्य ने बताया कि बाढ के समय प्रशासन द्वारा दी जा रही जानकारी को गम्भीरता से लेते हुए समय से सुरक्षित स्थानों पर जायें और आवश्यक सामान को ऊंचे स्थानों पर रख लें। उन्होंने बताया कि बाढ़ से बचाव के लिए नाविक, गोताखोर, नॉव, मोटर वोट आदि की व्यवस्था की गयी है।

डिजिटाइजेशन को लेकर बीआरसी में की गई मीटिंग

स्कूल के सभी रजिस्टर होंगे डिजिटल, टैबलेट पर चेहरा दिखाकर लगेगी हाजिरी

कानपुर देहात। बीआरसी कार्यालय सभागार अकबरपुर में सत्र 2024-25 हेतु 8 जुलाई 2024 से लागू की गई पंजिकाओ के डिजिटाइजेशन और ऑनलाइन उपस्थिति के सम्बन्ध में समस्त विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के साथ बैठक हुई। बैठक का शुभारंभ मनोज कुमार सिंह खंड शिक्षा अधिकारी अकबरपुर द्वारा सरस्वती प्रतिमा का माल्यार्पण कर किया गया। बैठक के दौरान संचालन नवजोत सिंह यादव एआरपी द्वारा किया गया। बच्चों की उपस्थिति और कक्षावार पाठयक्रम और प्रिंटिंरिच सामग्री के उपयोग के सम्बंध में चर्चा की गई। एआरपी अजय प्रताप सिंह द्वारा सन्दर्शिका का कक्षा शिक्षण में नियमित प्रयोग कैसे करें के बारे में बताया गया।

एआरपी ज्योत्सना गुप्ता द्वारा उक्त कार्यक्रम के सम्बन्ध में विद्यालय के छात्र उपस्थित रजिस्टर पर ऑनलाइन विवरण भरने का प्रशिक्षण दिया गया। विवरण के बारे में समस्त भागों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में खण्ड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार सिंह द्वारा विद्यालय के विभागीय नियमों और योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा विद्यालय के समस्त बच्चों के साथ बैठकर मध्याह्न भोजन योजना की उपस्थिति दर्ज कराने के बारे में बहुत ही विस्तार से चर्चा हुई और शिक्षको को इस कार्यक्रम में सहयोग हेतु प्रोत्साहित किया गया। यह भी कहा गया कि अगर शिक्षक डिजिटल रजिस्टर का प्रयोग नहीं करेंगे तो उन पर कार्यवाही भी की जा सकती है। विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों को भी टैबलेट पर फेस रिकाग्निशन सिस्टम से उपस्थिति दर्ज करनी होगी।

शिक्षकों को स्कूल में प्रवेश व प्रस्थान करते समय दोनों बार हाजिरी लगानी होगी। 15 जुलाई से डिजिटल रजिस्टर से ही कार्य किया जाएगा। शासनादेश के अनुसार इस कार्यक्रम में सहयोग करने वाले प्रधानाध्यापक के कार्य की सराहना की गई। बैठक में मुख्य रूप से सरिता चौधरी, जगदीश कुमार, प्रमोद बाजपेई, अनिल कुमार, सुलेखा गौतम, शिवानी यादव और अरुण कटियार आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

सीएचसी के पुरुष शौचालय की सीट के अंदर पड़ा मिला नवजात शिशु का शव; जांच में जुटी पुलिस

इटावा। बसरेहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर के अंदर पुरुष शौचालय की सीट के अंदर छह माह के नवजात शिशु का शव बरामद हुआ। शुक्रवार की सुबह सफाई कर्मचारी व स्टाफ के लोग सीएचसी परिसर के अंदर पहुंचे। उन लोगों को कुछ बदबू सी महसूस हुई। तभी सफाई कर्मचारी ने सीएचसी प्रभारी डा विकास सचान को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे सीएचसी प्रभारी डा विकास सचान ने इधर-उधर देखा लेकिन बदबू महसूस तो हो रही थी। काफी खोजबीन के बाद जब उन्होंने अंदर बने पुरुष शौचालय के सीट का ढक्कन हटाया तो उसमें देखा तो नवजात शिशु मृतक अवस्था में पड़ा मिला।

युवक ने ब्लेड से काटा अपना गला, अस्पताल में भर्ती

बहराइच। शहर के अग्रसेन तिराहा निवासी एक युवक का उसके परिवार के लोगों से शुक्रवार को विवाद हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस युवक को थाने ले गई और कुछ देर बाद उसे छोड़ दिया। घर पहुंचने पर युवक ने ब्लेड से अपना गला काट लिया, परिवार के लोगों ने उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

दरगाह थाना क्षेत्र के अग्रसेन तिराहा के रहने वाले कन्हैया गौतम का उसके घर के लोगों से ही किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिसपर उसकी माँ ने विवाद की शिकायत दरगाह थाने में की, लेकिन पुलिस नहीं पहुंची। जिसके बाद कन्हैया ने खुद ही 112 पर कॉल कर पुलिस को बुला लिया।

मौके पर पहुंची पुलिस कन्हैया को अपने साथ थाने ले गयी, और कुछ देर बाद उसे छोड़ दिया। लेकिन घर पहुंचते ही युवक का विवाद एक बार से घरवालों से शुरू गया। इसी दौरान युवक कन्हैया ने अचानक ब्लेड से अपने गले पर वार कर दिया। इससे घबराए परिजन उसे आनन फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसका इलाज चल रहा है।

वही युवक की भाभी ने बताया कि उनका देवर कन्हैया नशीली दवाओं का सेवन करता है और घर में आए दिन विवाद करता है। थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि पारिवारिक विवाद में युवक ने स्वयं गला काटने का प्रयास किया है, माममे में जांच जारी है।

प्रयागराज में एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा गंगा का जलस्तर

प्रयागराज। संगम नगरी में बारिश का कोई नामो निशान नहीं है, लेकिन गंगा और यमुना का जलस्तर बढ़ने लगा है। पहाड़ी और मैदानी इलाकों में हो रही तेज बारिश का असर अब प्रयागराज में गंगा और यमुना के बढ़ते जलस्तर के रूप में दिख रहा है। प्रति घंटे करीब एक सेमी प्रति घंटे की रफ्तार नदी का पानी बढ़ रहा है। गंगा का जलस्तर बढ़ने से पानी दारागंज घाट तक पहुंच गया है। बता दें कि बीते सोमवार को ही नरौरा बैराज से 1.28 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसके अलावा कानपुर से भी करीब 14 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

अन्य जगहों पर हो रही बारिश के बाद बाढ़ को देखते हुए प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है।

महिला से युवक ने किया दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

लखीमपुर खीरी। कोतवाली तिकुनियां क्षेत्र के एक गांव में पशुओं की देखभाल करने गई एक महिला को गांव के ही युवक ने दबोच लिया और दुष्कर्म किया। पीड़ित महिला के शोर मचाने पर परिवार के लोग आ गए। इस पर आरोपी जान से मार देने की धमकी देकर भाग निकला। एक गांव की महिला ने बताया कि उसका पति विदेश में रहकर कार्य करते हैं। वह अपनी ससुराल में बच्चों के साथ जीवन यापन करती है। उसके घर से करीब सौ मीटर की दूरी पर उसका दूसरा घर है, जिसमें जानवर बांधे जाते है। घटना 9 जुलाई 2024 की रात करीब आठ बजे की है। वह अपने जानवरों की देख रेख करने के लिए गई थी। तभी उसके गांव का ही मथुरा प्रजापती जबरन घर मे घुस आया और दुष्कर्म किया।

सड़क पर जलभराव से लोगों की सांसत, दो दिन से भरा हुआ है पानी, नगर पालिका परिषद फेल

रुदौली/अयोध्या। नगर पालिका परिषद रुदौली के अनियोजित नाला निर्माण से शहर के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अमेठी मार्ग समेत मां कामख्या धाम, रेजघाट जाने वाले प्रमुख मार्ग पर घुटनों तक पानी बीते दो दिन से भरा है। बरसाती गंदा पानी निकलवाने में नगर पालिका प्रशासन विफल है।

तहसील से लखनऊ जाने वाले भेलसर उमापुर प्रधानमंत्री मार्ग की सड़क जल भराव से टूट रही है। इस मार्ग पर हनुमान किला मंदिर, कई मस्जिद, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज है। राहगीर और स्कूली बच्चे हर वर्ष इस तरह बारिश और गंदे पानी से गुजरने को मजबूर हैं। रुदौली नगरपालिका के हनुमान किला वार्ड में दो तालाबों पर देखते ही देखते भवन निर्माण हो जाने से बरसात में जलभराव की समस्या पैदा होने लगी। पट चुके तालाब के आसपास पानी निकासी की कोई व्यवस्था ना होने के कारण हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रुदौली-रेजघाट रोड पर बारिश से जल भराव हो गया। वार्ड सभासद आशीष वैश्य ने बताया तालाब भूमाफिया द्वारा पाट कर पक्का निर्माण करा लिया गया है। पालिका अध्यक्ष जब्बार अली ने बताया कि जल निकासी की व्यवस्था कराई जाएगी। स्थाई समाधान की योजना बोर्ड बैठक में तय की जाएगी।

झोलाछाप चिकित्सक फरार बिल्हौर पुलिस पकड़ने में लाचार

- कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस की पहुंच से दूर
- लोगों के गले नहीं उतर रहा डाक्टर का पुलिस के हत्थे न चढ़ना
- पीड़ित परिवार को रह गई है मुआवजा मिलने की आस

आरोपी चिकित्सक टीबी विश्वास

बिल्हौर। डाक्टर की लापरवाही के चलते हुई ढाई साल के बच्चे की मौत के मामले में पुलिस चार दिन बाद भी डाक्टर की तलाश नहीं कर पाई है। जिससे जहां एक ओर पुलिस की सक्रियता पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है।

वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। लोगों के गले नहीं उतर रहा है कि डाक्टर को जमीन लील गई या आसमान खा गया। पीड़ित गरीब परिवार पुलिस-प्रशासन की ओर टकटकी लगाए निहार रहा है। पीड़ित परिवार को डाक्टर से कुछ मुआवजा ही मिल जाता तो शायद उनके जख्मों पर कुछ मरहम लग जाता।बिल्हौर कसबे के नगरपालिका रोड स्थित बंगाली दवाखाना पर चार दिन पहले ढाई साल के बच्चे की फुड़िया का इलाज कराने आए एक दम्पत्ति को डाक्टर ने आपरेशन कराने की सलाह दे दी थी। जिस पर दम्पत्ति बच्चे के स्वास्थ्य को लेकर भयभीत हो गया था। दम्पत्ति ने डाक्टर द्वारा गारंटी के साथ बच्चे का इलाज करने का आश्वासन देने पर हां कर दी थी। जिस पर डाक्टर ने एक के बाद एक तीन इंजेक्शन लगा दिए थे। इंजेक्शन लगते ही बच्चे की हालत बिगड़ने लगी थी। जिससे घबराए डाक्टर ने उसे दूसरे अस्पताल भेज दिया था। वहां पर पहुंचते ही बच्चे की मौत हो गई थी। बच्चे की मौत से गुस्साए परिजनों ने क्लीनिक में तोड़फोड़ कर जमकर हंगामा किया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह समझा-बुझाकर मामला शांत कराया था। मृतक बच्चे के पिता ने डाक्टर के खिलाफ इलाज में लापरवाही करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में तहरीर दी। परिजनों के गुस्से और पुलिस के डर से डाक्टर फरार चल रहा है। उधर एक-दो दिन तक गांवों में इलाज करने वाले झोलाछाप डाक्टरों ने अपने क्लीनिक बंद रखे। लेकिन मामला ठंडा होते ही झोलाछाप डाक्टरों की दुकानें फिर से सज गई हैं। घटना के अगले दिन चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने कुछ गांवों में क्लीनिकों पर छापेमारी कर कार्रवाई की रस्म अदायगी भर की थी। उधर मोहल्ले के लोगों का कहना है कि यदि पुलिस-प्रशासन डाक्टर पर दबाव बनाकर पीड़ित परिवार को मुआवजे के तौर पर कुछ धनराशि दिला देती है तो भी परिवार को कुछ राहत मिल सकती है।

डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में 8 वर्ष बाद दीक्षा में मेधावियों को मिले मेडल और उपाधि

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में 8 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद शनिवार को दीक्षांत समारोह में छात्र- छात्राओं को उपाधि और पदक दिए गए। बीए. एलएलबी., एलएलएम, पीएच.डी. और डिप्लोमा कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की गईं। अपने-अपने विषयों में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को 132 पदक दिए गए, जिसमें 70 स्वर्ण पदक शामिल थे। समारोह के मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ ने छात्रों को प्रेरणादायक संबोधन दिया और स्वर्ण पदक प्रदान किए। विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश व विश्वविद्यालय के विजिटर जस्टिस विक्रम नाथ, और हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण भंसाली भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।दीक्षा समारोह डॉ. बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर सभागार में हुआ, नौ एलएल.बी. और नौ एलएल.एम. के छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के हाथों से मिला। मुख्य अतिथियों के जाने के बाद अन्य पदकों और उपाधियों का वितरण किया गया। स्वर्ण, रजत, और कांस्य पदकों के अलावा कुछ प्रायोजित पदक भी वितरित किए गए, जिसमें प्रदीप कुमार अग्रवाल मेमोरियल गोल्ड मेडल, जस्टिस ओपी प्रधान मेमोरियल गोल्ड फार क्रिमिनल लॉ, विरेंद्र भाटिया गोल्ड मेडल फार स्टूडेंट ईयर, और केके लुथरा मेमोरियल एडवोकेसी गोल्ड मेडल शामिल

लोहिया संस्थान से डॉ. एस के पांडेय ने दिया इस्तीफा, डिप्टी सीएम ने दी शुभकामनाएं

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की आयुष विंग में तैनात डॉ. एसके पांडेय ने इस्तीफा दे दिया है। डॉक्टर एसके पांडेय ने लोहिया संस्थान में तैनाती के दौरान 100 से अधिक मधुमेह पीड़ित मरीज को इन्सुलिन से मुक्ति दिलाई थी। उन्होंने दावा किया था कि आयुर्वेद से मधुमेह बीमारी को ठीक किया जा सकता है।

डॉ एस के पांडे ने लोहिया संस्थान से इस्तीफा देने के बाद बटलर पैलेस के सामने ओम आयुर्वेदिक सेंटर की शुरुआत की है। शुक्रवार को जिसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने किया है। इस अवसर पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने डॉक्टर एस के पांडे को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि मौजूदा समय में पेट और लिवर रोग के मरीजों में इजाफा हो रहा है।ऐसे में आयुर्वेद उन मरीजों के इलाज में अहम भूमिका निभा सकता है। आयुर्वेद में इन बीमारियों का इलाज भी संभव है। डॉक्टर एसके पांडे ने बताया है कि इस केंद्र को शुरू करने के पीछे उनकी एकमात्र मंशा है कि लोगों का जड़ी बूटियां से इलाज कर अच्छा जीवन दिया जा सके।डॉ एस के पांडे ने बताया है कि मौजूदा समय में ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी अधिक संख्या में लिवर की बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। जिसका प्रमुख कारण फसलों के उत्पादन में पेस्टिसाइज और फर्टिलाइजर का अधिक मात्रा में प्रयोग करना है। यही वजह है कि लिवर में अमोनिया का स्तर बढ़ता है। जो बाद में लिवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारी का कारण बनता है।

अब पहली जैसी पत्रकारिता करने वाले पत्रकार नहीं दिखते

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नवीन मार्केट स्थित कानपुर प्रेस क्लब में वरिष्ठ पत्रकार स्व. सुरेश त्रिवेदी जी की पुण्यतिथि पर सभी ने प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर विनम्र श्रंद्धाजलि अर्पित करी वही कानपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष सरस बाजपेई ने बताया कि स्व- सुरेश त्रिवेदी ने हम लोगों के साथ मिलकर कई बड़ी खबरों को प्रकाशित किया है उनका व्यवहार बहुत ही हंसमुख था। जिनको हम लोग आज भी याद करते हैं। कानपुर प्रेस क्लब के महामंत्री शैलेश अवस्थी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अब पहली जैसी पत्रकारिता करने वाले पत्रकार नहीं दिखते हैं। जो आज से एक समय पहले स्व- सुरेश त्रिवेदी ने अपनी कलम की स्याही से पत्रकारिता को अलग नाम दिया था। उनका कहना है कि स्व- सुरेश त्रिवेदी ने पत्रकारों के लिए काफी संघर्ष भी किया है। जो कि हम पत्रकारों के लिए एक मिशाल के तौर पर जाना जाता है। कानपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित ने बताया कि मैंने उनके कार्य व स्वभाव से मैं भलीभांति परिचित रहा हूं। उन्होंने हमेशा से ही खुश दिल व्यक्ति की तरह रहते हुए जीवन यापन किया है।

पत्रकार गणों को बेबाक पत्रकारिता की राह पर चलने की ही सलाह दी है और साथ ही उन्होंने दैनिक अखबारों में अपनी कलम के जरिए राजनीतिक पार्टियों की खबरों को भी बड़े ही अच्छे तरीके से प्रकाशित किया है। वही उन्होंने बताया की कानपुर प्रेस क्लब ने महापौर व नगर आयुक्त से प्रस्ताव पास कराते हुए बसंती नगर स्थित

स्व.सुरेश त्रिवेदी के आवास के पास बने पार्क का नाम भी स्व.सुरेश त्रिवेदी (राजू) नामकरण करवा दिया गया है। वही इस श्रद्धांजलि सभा में कानपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष सरस बाजपेई, महामंत्री शैलेश अवस्थी, पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित, पूर्व महामंत्री कुशाग्र पांडेय, अखलाख अहमद, दीपक सिंह, अंकित शुक्ला, उत्सव शुक्ला, मो.नौशाद, सतींद्र बाजपेई (चाचू), ज्ञानेंद्र कुमार मिश्रा (बम-बम), राहुल मिश्रा, स्वप्निल तिवारी, अभिषेक कठेरिया, नीरज तिवारी, के.के साहू, विजय, रितेश कुमार, जय गुप्ता, रोहित सिंह आदि पत्रकार मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकार सुरेश त्रिवेदी को जर्नलिस्ट क्लब में दी गई श्रद्धांजलि

कानपुर। पत्रकारिता के अमिट हस्ताक्षर वरिष्ठ पत्रकार सुरेश त्रिवेदी की तृतीय पुण्यतिथि पर अशोक नगर स्थित कानपुर जर्नलिस्ट क्लब के हिन्दी पत्रकार भवन में सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए दैनिक आज के वरिष्ठ पत्रकार विवेक खरे को सुरेश त्रिवेदी पत्रकार रत्न से सम्मानित किया गया एवं सैकड़ों पत्रकारों, राजनीतिज्ञों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों व उद्यमियों ने स्वर्गीय सुरेश जी की निष्पक्ष व निडर पत्रकारिता की जमकर तारीफ की। वक्ताओं ने कहा कि सुरेश जी की पत्रकारिता से नौजवान पत्रकारों को सीखना चाहिए। वह सभी के लिए नजीर पेश कर गए हैं। अशोक नगर स्थित कानपुर जर्नलिस्ट क्लब हिंदी पत्रकार भवन आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सुरेश जी के चाहने वालों का तांता लगा रहा। सांसद रमेश अवस्थी ने उन्हें सच्चा व निडर पत्रकार बताते हुए उनके आदर्शों पर चलने की सलाह दी। महापौर प्रमिला पाण्डेय स्व सुरेश त्रिवेदी को निर्भीक, निडर, निष्पक्ष व बेबाक पत्रकार बताया, सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने उन्हें अपना पथ प्रदर्शक बताया। जर्नलिस्ट क्लब के महामंत्री अभय त्रिपाठी ने कहा कि सुरेश त्रिवेदी के सिद्धांतों पर चलकर पत्रकारों के लिए जर्नलिस्ट क्लब संघर्ष करता रहेगा। श्रद्धांजलि सभा में सुरेश जी की पत्नी अंजू त्रिवेदी दोनों पुत्र सौरभ और मनी वह अन्य परिजन उपस्थित रहे। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता वीरेंद्र दुबे, श्री कृष्ण दीक्षित (बड़े जी), रीता बहादुर सिंह, मोनू पाण्डेय, आर के सफ्फर सचिव रेडक्रॉस, निर्मल त्रिपाठी, भाजपा नेता रोहित सक्सेना, सुनील साहू क्षेत्रीय अध्यक्ष युवा, डॉ अनूपम जैन, विनोद दीक्षित, भाजपा नेत्री किरण पाण्डेय, ज्योति बाबा, संतोष सिंह गहमरी, मनोज शुक्ला (महाकाल), डॉ सपन गुप्ता, संजीव चौहान, डॉ हेमन्त मोहन, वैभव मिश्रा, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के श्याम शुक्ला, व्यापारी नेता संजय टंडन, चन्दन अवस्थी, संदीप पांडेय, पुष्पेन्द्र जयसवाल, आलोक अग्रवाल (राम लीला सोसायटी) अधिवक्ता रतन अग्रवाल, विनय मिश्रा, शशि कांत पाण्डेय, रोहित अवस्थी, मयंक शुक्ला, राजीव द्विवेदी, न सूर्य नारायण, संतोष गुप्ता, आदर्श मिश्रा, समेत सैकड़ों राजनीतिक, समाजिक एवं पत्रकार लोग मौजूद रहे।

नेशनल मीडिया प्रेस ज़लब द्वारा समाचार पत्रों व पत्रकारो के अस्तित्व की रक्षा हेतू

राष्ट्रपति को कानपुर जिलाधिकारी के माध्यम से दिया गया 11 सूत्रीय ज्ञापन

बीपीएस न्यूज

कानपुर।आज पत्रकारों के हित मे सम्पूर्ण भारत में कार्यरत राष्ट्रीय संगठन नेशनल मीडिया प्रेस क्लब के बैनर तले लगभग आधा सैकड़ा पत्रकार व समाचार प्रकाशक छोटे व मंझोले समाचार पत्र-पत्रिकाओं एवं मीडिया कर्मियों के अस्तित्व की रक्षा हेतू आवश्यक 11 सूत्रीय मांगों को लेकर कानपुर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचें, आपको बता दें कि देश की आजादी से लेकर आज तक पत्रकारों द्वारा देश व समाज की रक्षा व उत्थान हेतू हमेशा प्रमुख भूमिका निभाई गई है लेकीन आज सम्पूर्ण देश के छोटे व मंझोले समाचार पत्र-पत्रिकाओं एवं मीडिया कर्मियों के अस्तित्व पर कुछ संकट दिखाई दे रहा है जिनकी रक्षा हेतू नेशनल मीडिया प्रेस क्लब ने आवश्यक 11 सूत्रीय मांगे महामहिम राष्ट्रपति महोदया तक पहुंचाने हेतू जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। संगठन द्वारा जो मांगे रखी गई वह इस प्रकार हैं।

1. समाचार पत्र-पत्रिकाओं के प्रिंट में इस्तेमाल होने वाली स्याही, प्लेट मेकिंग सामग्री, प्रिंट पेपर, प्रिंटिंग मशीन की छपाई इत्यादि सभी सामग्रियों को जीएसटी मुक्त किया जाय।
2. प्रेस सेवा पोर्टल पर जो प्रोफाइल बनाई जाए वह अखबार की प्रिंट लाइन के अनुसार बनाई जाए।
3. प्रेस सेवा पोर्टल पर एनुअल रिटर्न फाइल करते समय आ रही समस्याओं को देखते हुए रिटर्न तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त की जाए।
4. मान्यता प्राप्त पत्रकारों को रेलवे में दी जाने वाली सुविधाओं (जो कोविड 19 के दौरान बंद की गई सुविधाओ) को पुन: बहाल किया जाय।
5. उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विगत 20 वर्षों से विज्ञापन नीति दरों की समीक्षा नहीं हुई है कृपया सीवीसी. के अनुसार या समकक्ष विज्ञापन दरों की समीक्षा करते हुए भाषाई भेदभाव बंदकर एक समान कम से कम वार्षिक 20 विज्ञापन दिए जाएं।
6. अखबार मालिक व संपादकों तथा क्षेत्रीय पत्रकारों को टोल टैक्स में छूट दी जाए।
7. सूचना विभाग द्वारा समाचार प्रकाशकों के पहचान पत्र जारी किए जाएं।
8. सभी मीडिया कर्मियों का आयुष्मान कार्ड की तर्ज पर कम से कम 10 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा कार्ड जारी किया जाए।
9. सभी मीडिया कर्मियों का 10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा सुरक्षा पॉलिसी लागू किया जाए।
10. खबर प्रकाशन को आधार मानकर पुलिस प्रशासन द्वारा पत्रकारों पर फर्जी मुकदमे पंजीकृत न किया जाए और जो फर्जी मुकदमें लगाए गए हों उन्हें वापस लिया जाए।
11. सभी शासन प्रशासन के कार्यालयों में पत्रकारों द्वारा सूचना मांगने पर सही जानकारी प्रदान की जाए और उन्हें सम्मान दिया जाए।

उक्त ज्ञापन के समय प्रमुख रुप से नेशनल मीडिया प्रेस क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम डी शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री एडवोकेट उमाशंकर त्यागी, प्रदेश कोषाध्यक्ष डॉक्टर बलबीर कपाड़िया, मण्डल अध्यक्ष एडवोकेट अवधेश सिंह तोमर, मण्डल महामंत्री वीरेन्द्र कुमार शर्मा, मण्डल मंत्री पप्पू यादव, जिला महामंत्री मोहम्मद जुनैद, जिला उपाध्यक्ष के के द्विवेदी, जिला प्रचार मंत्री सुहैल मंसूरी, जिला सूचना मंत्री अमर वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी मोहम्मद शादाब, एस के सिंह, आकाश बर्मा, मोहम्मद अमान, आमिर हुसैन, विष्णु ठाकुर, कमलेश कुमार, मुकेश विश्वकर्मा, रवि श्रीवास्तव सहित आधा सैकड़ा पत्रकार रहे उपस्थित।

8 हजार वर्गगज में बनेगा सीबीसीआईडी का नया जोनल कार्यालय

विभाग ने प्रशासन से जमीन उपलज्ध कराने को लिखा लेटर
बगदौधीगांव या बिठूर में प्रशासन दे सकता है जमीन

ग्वालटोली में है सीबीसीआईडी का जोनल कार्यालय

कानपुर में ग्वालटोली इलाके में सीबीसीआईडी का कार्यालय है। यहां से नौ जिले कानपुर, कानपुर देहात, इटावा, औरैया, झांसी, कन्नौज, फर्रुखाबाद, हमीरपुर की मॉनिटरिंग की जाती है।

यहां एडिशनल एसपी बैठते हैंसीबीसीआईडी के जोनल कार्यालय में एडिशनल एसपी अनिरुद्ध सिंह, डीएसपी वीनित सिंह समेत कई इंस्पेक्टर तैनात हैं।

कानपुर। कानपुर में सीबीसीआईडी का नया भवन बनाने की कवायद शुरू हो गई है। विभाग की ओर से प्रशासन को लेटर जारी कर जमीन की मांग की गई है। करीब आठ हजार वर्ग गज की जमीन में यह कार्यालय बनाया जाएगा। प्रशासन ने भी जमीन खोजना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि बगदौधी गांव या बिठूर में कार्यालय खोले जाने के लिए जमीन मुहैया कराई जा सकती है। सीबीसीआईडी के अफसर ने बताया कि नए कार्यालय को लेकर प्रशासन से जमीन मांगी गई है। जमीन मिलने के बाद वहां निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। एसीडीएम सदर प्रखर कुमार सिंह ने बताया कि सीबीसीआईडी विभाग की ओर से जमीन उपलब्ध कराए जाने के संबंध में लेटर आया है।ग्वालटोली स्थित सीबीसीआईडी का कार्यालय जर्जर हालत में हो गया। अफसर बताते हैं कि यह कार्यालय किराए के मकान में बना हुआ है। इसका मुकदमा चल रहा था, जो कि विभाग हार गया है। अब कार्यालय को शिफ्ट किया जाना जरूरी है। इस बाबत जमीन मुहैया कराए जाने को लेकर शासन को लेटर लिखा गया था। शासन की मंजूरी के बाद अब आगे की कार्यवाही की जा रही है। प्रशासन से आठ हजार वर्ग गज जमीन उपलब्ध कराए जाने के संबंध में पत्र भेजा गया है। वहीं प्रशासनिक अफसर ने बताया कि सीबीसीआईडी कार्यालय के लिए जमीन खोजी जा रही है। बगदौधी या बिठूर में जमीन उपलब्ध करायी जा सकती है,

कानपुर एयरपोर्ट का नाम जनकनंदनी रखने की मांग

- प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य श्याम सिंह पंवार ने सीएम योगी आदित्यनाथ को लिखा पत्र
- पौराणिक बिठूर की धरती से मां सीता रहा है खासा नाता
- नेपाल की पुत्री होने के नाते प्रगाढ होंगे मैत्री संबंधः पंवार

बीपीएस न्यूज

कानपुर।चकेरी स्थित कानपुर एयरपोर्ट का नाम 'जनकनंदनी' मां सीता के नाम पर रखने की मांग तेजी से उठी है। माता सीता का कानपुर के पौराणिक बिठूर से काफी गहरा नाता रहा है। उन्होने काफी लंबे समय तक बाल्मीकि ऋषि के आश्रम रहीं। इसके चलते एयरपोर्ट का नामकरण रखने के लिए पत्र लिखे जा रहे हैं।

-प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य श्याम सिंह पंवार ने सीएम योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में कहा कि आप सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए लगातार प्रयत्नरत हैं। आपकी पहचान इसी उददेश्य के पूरककर्ता के रूप में की जाती है। मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभु श्रीराम का कानपुर जिले से गहरा नाता रहा है। उनकी अर्द्धांगिनी जनकनंदनी मां सीता काफी समय तक बिठूर स्थित महर्षि बाल्मीकि जी के आश्रम व्यातीत हुआ था। उनके पुत्रों लव-कुश की जन्म एवं कर्मस्थली भी बिठूर इतिहास में बताई गई है। यह पौराणिक ही नहीं ऐतिहासिक दृष्टि से एक अनूठा स्थान है। ऐसे में सनातन प्रेमियों का सिर गर्व से उंचा हो जाएगा अगर कानपुर हवाई अडडा का नाम जनक नंदनी के नाम पर कर दिया जाए। श्री पंवार ने बताया कि मां सीता का मायका नेपाल राष्ट्र माना जाता है। यदि उनके नाम पर नामकरण किया जाता है तो मित्र राष्ट्र को संदेश जाएगा कि भारत में उनकी बेटी के नाम एयरपोर्ट किया गया है।इससे दोनों देशों से संबंध और प्रगाण होंगे। इसका आमजनमानस में अच्छा संदेश जाएगा।

विधायक मैथानी ने पूर्व राष्ट्रपति कोविंद को नाम सुझाया

गोविंदनगर से विधायक सुरेंद्र मैथानी ने सीएम योगी आदित्यनाथ को 13 जुलाई 2024 को पत्र लिखकर कहा कि कानपुर निवासी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद उत्तर प्रदेश से पहली बार राष्ट्रपति बने हैं। कानपुर शहर के विकास में उनका अहम योगदान रहा है। हालांकि, श्री कोविंद के नाम एयरपोर्ट रखने को लेकर शहरवासियों में कोई उत्साह नहीं है। कानपुर और देहात आदि के कई लोगों का मानना है कि कोविंद के राष्ट्रपति बनने के बाद भी शहर को खास लाभ नहीं मिला। उन्होने यहां तक इंदिरानगर स्थित अपना पैतृक घर भी बेंच दिया है।

सड़क निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री के प्रयोग का आरोप

विकास कार्यों में क्वालिटी से समझौता बर्दाश्त नही: सौम्य शुक्ला
हिदायत के बाद भी ठेकेदार कर रहा था मनमानी, दो कौड़ी का निर्माण देख पार्षद ने लिया एक्शन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम के वार्ड 95 यशोदा नगर में मुर्गी फार्म के पास नगर निगम द्वारा बनवाई जा रही सड़क में घटिया निर्माण होते देख स्थानीय निवासियों ने नाराजगी जताई।जिसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने वार्ड पार्षद से की थी। सड़क निर्माण में मानकों की अनियमितताओं और घटिया निर्माण होने की शिकायत मिलने पर भाजपा पार्षद सौम्या शुक्ला ने दो -तीन बार ठेकेदार को मानक के अनुरूप काम करने के लिए बोला, लेकिन हो रहे सड़क निर्णाण कार्य में ठेकेदार पंकज जैन ने कोई बदलाव नहीं किया। जिससे क्षेत्रीय जनता में नाराजगी थी।लिहाजा इसकी शिक़ायत नगर निगम के अधिकारियों से की गई।

मौके पर पहुंचे नगर निगम के अधिशासी अभियंता और जेई द्वारा हो रहे निर्णाण की जांच में अनियमितताएं पाई गईं। नगर निगम अधिकारियों ने हिदायत देते हुए ठेकेदार को मानक के अनुरूप कार्य करने की चेतावनी भी दी थी।अधिकारियों की चेतावनी के बावजूद भी ठेकेदार द्वारा कराया जा रहा सड़क निर्माण कार्य जस का तस जारी रहा। जिसकी शिकायत फिर पार्षद ने नगर निगम अधिकारियों से की।लेकिन सड़क बनवा रहे ठेकेदार पर कोई फर्क नहीं पड़ा।

शनिवार को घटिया निर्णाण करा रहे ठेकेदार पंकज जैन की मनमानी के खिलाफ पार्षद सौम्या शुक्ला ने सख्त रुख अख्तियार करते हुए कड़ा एक्शन ले लिया। उन्होंने नगर निगम से जेई और जेसीबी बुलाकर खुद मौके पर खड़े होकर घटिया क्वालिटी की बनी सड़क को खुदवा दिया।

सभी चमड़ा क्लस्टर में उत्कृष्टता स्थापित होगी

कौशल विकास मंत्री के साथ मुख्तारुल अमीन की हुई बैठक

कानपुर। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी और चमड़ा क्षेत्र की लेदर सेक्टर स्किल काउंसिल के अध्यक्ष मुख्तारुल अमीन के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। चर्चा का मुख्य विषय फुटवियर और लेदर संबद्ध उद्योगों के अंतर्गत निरंतर सीखने और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने पर था, जिसका उद्देश्य कौशल विकास और समृद्धि को बढ़ावा देना था। बैठक अत्यधिक महत्वपूर्ण एवं विकास पर आधारित रही और मुख्तरुलअमीन ने हमारे क्षेत्र में कौशल विकास के भविष्य के लिए माननीय मंत्री को बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। मंत्री जी द्वारा समर्थन और प्रोत्साहन के लिए सभी अतिथिकर्ता ने आभार व्यक्त किया।मुख्तारुल अमीन ने सभी चमड़ा क्लस्टर में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करने के लिए समर्थन का अनुरोध किया। साथ ही मंत्री ने कौशल विकास एवं उद्यमिता

मंत्रालय द्वारा स्वीकृत आर.पी.एल एवं विशेष परियोजना के लिए हाल ही में प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आगरा में उद्घाटन करने पर सहमति व्यक्त की। अध्यक्ष ने चमड़ा उद्योग की उन्नति के लिए उनके अटूट समर्थन एवं प्रतिबद्धता के लिए मंत्री जयंत चौधरी का धन्यवाद अदा किया।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।